टेक्सटाइल मिरर
वस्त्र उद्योग का सटीक आईना
हिन्दी-अंग्रेजी पाक्षिक
DIGITAL
EDITION
SPONSOR BY
Qmax WORLD ®
SUNIL TIBREWAL GROUP COMPANY
CHOOSE FROM OUR
exclusive range of
uniform fabrics
Soft
Durable
Innovative Designs
Body Friendly
Comfortable
Vibrant Colors
Breathable
02522-666 666
info@qmaxworld.com
www.qmaxworld.com
ONE NATION
Jugg jugg jeeyo
GYFT : ME
AGENTS SOLICITED
Regd Office -
K8, Shree Arihant Compound,
Kahler Pipeline, Bhiwandi 421302

वस्त्र उद्योग का सर्वाधिक लोकप्रिय समाचार-पत्र

टेक्सटाइल मिरर

अखिल भारतीय संस्करण

पाक्षिक

Postal Regd. No.: Bhilwara/231/2021-2023

वर्ष : 11 अंक : 17 प्रकाशित : 1 नवम्बर , 2022 मंगलवार Editor : Govind Sharma स्थान : भीलवाड़ा पृष्ठ : 12 मूल्य : 20 रुपये

वस्त्र मंत्रालय द्वारा विकास और निर्यात बढ़ाने पर जोर

अगले 5-6 वर्षों में निर्यात बढ़कर 100 अरब डॉलर होने की संभावना

प्रवीण राणा (ब्यूरो चीफ)

नई दिल्ली/ विश्व के कई देशों में आर्थिक सुस्ती के चलते टेक्सटाइल उत्पादों का निर्यात घट रहा है इसके बावजूद केन्द्रीय टेक्सटाइल मंत्री श्री पीयूष गोयल उद्योग के विकास और निर्यात बढ़ाने के प्रयास में जुटे हुए हैं। इस क्रम में मुक्त व्यापार समझौते सहित उन सभी मुद्दों पर ध्यान दिया जा रहा है जिनसे विकास और निर्यात में बढ़ोतरी हो सकती है। कपड़ा मंत्री का कहना है कि टेक्सटाइल सेक्टर का वृहद विकास अब मानव निर्मित फाइबर उद्योग से होगा और अगले 5-6 वर्षों में टेक्सटसइल सेक्टर का निर्यात 100 अरब अमेरिकी डॉलर होने की उम्मीद है। यह बात टेक्सटाइल मंत्री श्री पीयूष गोयल ने उद्योग के प्रतिनिधियों के साथ बातचीत में कही है।

दरअसल अब तक टेक्सटाइल सेक्टर में सर्वाधिक भागीदारी कॉटन आधारित उत्पादों की ज्यादा रही है। देश के कुल निर्यात में टेक्सटाइल उद्योग की हिस्सेदारी 15-17 प्रतिशत की है जिसमें कॉटन, कॉटन यार्न, कॉटन फैब्रिक्स और कॉटन गारमेण्ट की हिस्सेदारी लगभग सर्वाधिक है जबकि देश के टेक्सटाइल उद्योग में मानव निर्मित फाइबर की हिस्सेदारी बहुत कम है इसलिए टेक्सटाइल मंत्री ने कहा है कि आगे इस उद्योग का जो विकास होगा, उसमें ज्यादातर हिस्सेदारी मानव निर्मित फाइबर उद्योग की होगी। उद्योग के प्रतिनिधियों में पीटीए, एमईजी, फाइबर, यार्न, फैब्रिक्स और गारमेण्ट के निर्माता शामिल थे।

टेक्सटाइल मंत्री ने उद्योग का आहवान किया और कहा कि हमें एक ऐसी स्थिति तक पहुंचने की आकांक्षा रखनी चाहिए जहां बाजार की पूरी मांग

(शेष पृष्ठ 8 पर)

दीपावली पर रेडीमेड बाजार हुए गुलजार

फैंसी डिजाइन किड्स वियर, लेडीज में इंडो वेस्टर्न वियर तथा जेंट्स में एथेनिक वियर की ओर रूझान बढ़ा

TM मुंबई–मिरर ब्यूरो

रेडीमेड गारमेण्ट में दीपावली के अवसर पर बाजारों में रौनक लौटी। ग्राहकों की जोरदार खरीदी से रिटेल दुकानदारों की बांछे खिल गई। पिछले दो वर्षों से गारमेण्ट और गारमेण्ट कपड़ों में खरीदी अच्छी नहीं चल रही थी, उसकी तुलना में इस दीपावली के दौरान कारोबार अच्छा रहा है। दीपावली पूर्व की अच्छी बिक्री से अधिकांश व्यापारियों ने अपने पुराने स्टॉक सस्ते दामों पर बेचकर आगे कि वैवाहिक सीजन के लिए नया स्टॉक भरने की तैयारी कर ली है। दो वर्षों तक कोरोना के कारण न तो दीपावली पर कारोबार अच्छा चला था, न ही वैवाहिक सीजन में। जब बाजारों में अच्छी ग्राहकी है। किड्स वियर में नई फैंसी डिजाइन की भरमार और कारोबार अच्छा है।

इस त्योहारी सीजन में जोरदार बिक्री से उद्योग जगत में खुशी की लहर है। मौजूदा सीजन में चौतरफा बिक्री के मिल रहे रूझान में उपभोक्ता घरेलू सामनों के साथ परिधान जैसे उत्पादों की बिक्री में पिछले वर्ष के त्योहारी सीजन की तुलना में करीब 8 से 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। रूझानों के अनुसार उपभोक्ता महंगाई की चिंताओं के बावजूद त्योहारी सीजन में खर्च करने को तैयार है। कपड़ों के साथ अन्य उपभोक्ता सामानों के लिए त्योहारी सत्र की बिक्री ओणम से शुरू होती है और दुर्गापूजा, दशहरा से होते हुए दीपावली तक चलती है। इस बार ओणम एवं दशहरा में बिक्री कमजोर थी, लेकिन दीपावली का समय आते आते ग्राहकों के खरीदी के लिए उतरने से बाजार गुलजार हो गया। बाजारों में बढ़ी ग्राहकी से लगता है कि कोरोना और मंदी की चोट से लोग बाहर निकल चुके है। गारमेण्ट उत्पादकों के लिए भी त्योहारों में धंधा अच्छा रहा है। अच्छी बात यह है कि दीपावली के बाद शादियों की खरीदी का सुनहरा अवसर होने से एथनिकवियर के कारोबार में तेजी आएगी। दूसरे चीन से फैब्रिक्स का आयात घटा है और देश में बनती फैब्रिक्स का इस्तेमाल गारमेण्ट उद्योग में बढ़ा है। कपडा उत्पादन एवं प्रोसेस में आधुनिक मशीनरी आने के बाद स्वदेशी फैब्रिक्स की गुणवत्ता में भारी सुधार होने से गारमेण्ट उत्पादकों को वैश्विक स्तर पर गारमेण्ट की मांग पूरा करने के लिए अच्छा अवसर है। यदि भुगतान स्थितियों में सुधार आता है, तो गारमेण्ट कारोबार अच्छा चलने की गुंजाइश अधिक है।

गारमेण्ट का उत्पादन अब मुंबई से बाहर बड़े पैमाने पर होने लगा हैं। सूरत, अहमदाबाद, दिल्ली, इंदौर इत्यादि उत्पादन केंद्र के बतौर उभरे हैं। एथनिक वियर के लिए सूरत से कपड़ों की अच्छी वैराइटी मिल रही है, इससे चाइना के कपड़े कम चल रहे है। गारमेण्ट उत्पादन में देश में बने कपड़ों का इस्तेमाल बढ़ा है। चूंकि आगे शादियों की सीजन होने से एथनिक वियर में कुर्ता, पायजामा, भिन्न कलरों के जैकेट, शेरवानी, सूट और जोधपुरी स्टाल की मांग अधिक होने की संभावना से रिटेलर ऐसे परिधानों का नया स्टॉक रखने में लग गए है। कारण कि इस बार यह सीजन दो से तीन महीने जोरदार हो सकती है। इसके साथ ही इंडो वेस्टर्न वियर के प्रति नवयुवतियों का रूझान बढ़ता दिखाई दे रहा है।

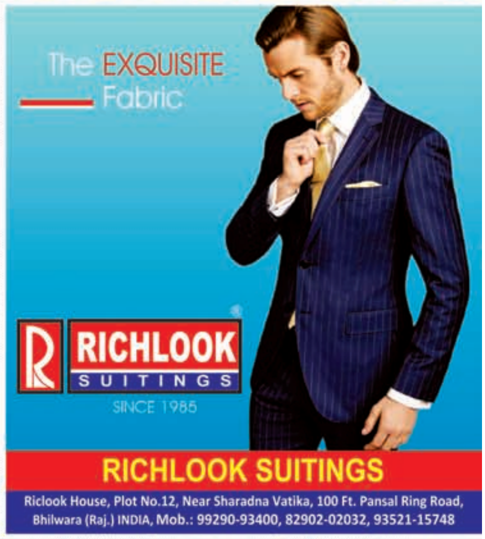

यूनिफॉर्म फैब्रिक सप्लाई में भारत का सबसे बड़ा डिस्ट्रीब्यूटर्स है 'महावीर टेक्सटाइल्स'

सोलापुर/ यूनिफॉर्म एवं गारमेण्ट के क्षेत्र में विश्व मानचित्र 'सोलापुर' मण्डी पर तेजी से उभर रही है। टेरी टॉवल बनाने में प्रख्यात इस मण्डी ने विगत कुछ वर्षों से रेडीमेड यूनिफॉर्म एवं गारमेण्ट बनाना शुरू किया और यहां की क्रियाशील एसोसिशएन ने इसको पहचाने देने के उद्देश्य से 'एक्जीबिशन' आयोजित की, उसके बाद 'सोलापुर' की पहचान भारत के साथ विदेशों में भी बनने लगी है। जिसको और अधिक ऊंचाइयां प्रदान करने में यहां के लीडिंग डिस्ट्रीब्यूटर्स 'महावीर टेक्सटाइल' का अग्रणी योगदान है।

इस इकाई के संचालक श्री प्रकाश डाकलिया ने बताया कि हमारे पास एक ही छत के नीचे देशभर के सभी यूनिफॉर्म निर्माताओं की डिस्ट्रीब्यूटरशिप है। जिसके बलबूते हम रेडीमेड यूनिफॉर्म निर्माताओं के सभी ऑर्डर्स को समय पर पूरा करने में सक्षम है।

यूनिफॉर्म एवं गारमेण्ट फेयर भी हो रहा है 'महावीर टेक्सटाइल' के एसोसिएशन में- *आगामी 7-9 दिसम्बर 2022 को हैदराबाद में होने वाले 'यूनिफॉर्म एवं गारमेण्ट फेयर' को महावीर टेक्सटाइल द्वारा पूरा सपोर्ट किया जा रहा है। जिसके अन्तर्गत यूनिफॉर्म फैब्रिक के प्रमुख ब्राण्ड की स्टॉलें 'महावीर टेक्सटाइल के नेतृत्व में ही लगायी जा रही है। इस फेयर को लेकर फर्म द्वारा भरपूर तैयारियां की जा रही है और देश के सभी यूनिफॉर्म फैब्रिक व्यापारियों को यह फेयर विजिट करने हेतु आमंत्रित भी करती है।*

फैंसी गारमेण्ट में लग्न की ग्राहकी चलने की उम्मीद

TM नई दिल्ली–गारमेण्ट

उत्तर भारत में मौसम बदल रहा है जिससे वूलन गारमेण्ट की ग्राहकी जोर पकड़ने की इंतजार हो रहा है। दीपावली की छुट्टियां निबट चुकी है। छठ पूजा के बाद वापिस बाजार में ग्राहकी निकलने की उम्मीद है। इस बार रेडीमेड गारमेण्ट में फेस्टीवल सीजन की ग्राहकी अपेक्षा से कम रही। व्यापारियों के अनुसार अभी तक वूलन गारमेण्ट में कारोबार कमजोर रहा लेकिन अब उत्तर भारत में मौसम बदलने लगा है जिससे वूलन गारमेण्ट -जैकेट, स्वेटर, कार्डीगन, श्वेड शर्ट, वूलन कुर्ती एवं लेगिंग्स, वूलन बाबा सूट, शॉल, कम्बल आदि की ग्राहकी जोर पकड़ने की उम्मीद है।

इसी के साथ आगे शर्ट, डेनिम, ट्राउजर सहित फैंसी गारमेण्ट में लग्न की ग्राहकी चलने की उम्मीद है। गारमेण्ट व्यापारियों के अनुसार इस बार रेडीमेड गारमेण्ट में कारोबार कमजोर चल रहा है और पैसे की तंगी बनी हुई है। बाजार का पैसा वूलन गारमेण्ट में लगा हुआ है। यदि इनकी मांग निकलती है तो बाजार में धन प्रवाह बढ़ सकता है।

अब दिल्ली-एनसीआर, पंजाब, हरियाणा और उत्तर प्रदेश सहित दिसावरों का ग्राहक खरीददारी के लिए आने की उम्मीद है। अभी तक दूर के दिसावरों की ग्राहकी कमजोर रही। इस बार दशहरा-दीपावली के अलावा छठ पूजा की ग्राहकी भी कमजोर रही। व्यापारियों का कहना है कि इस बार फेस्टीवल सीजन की ग्राहकी मुश्किल से 60/70 प्रतिशत रही। दिसावरी ग्राहकों का आगमन बहुत कम रहा और खरीददारी भी सीमित रही। यही कारण है कि कारोबार का वोल्यूम कम है। जो ग्राहक खरीददारी के लिए आ भी रहे हैं, उनमें उत्साह एवं जोश नहीं है।

एसोसिएशन ऑफ होलसेल रेडीमेड गारमेण्ट डीलर्स, अशोक बाजार के अध्यक्ष श्री कंवल कुमार बल्ली के अनुसार इस बार कारोबार बहुत सीमित है। महंगाई एवं पैसे की कमी के चलते व्यापारी एवं आम लोगों की खरीद शक्ति कमजोर है। विंटर के माल का स्टॉक करने में व्यापारियों में जोश नहीं रहा। कमजोर कारोबार से व्यापारी परेशान हैं। जो माल जा भी रहा है, उसका भुगतान नहीं आ रहा है। जेन्ट्स में शर्ट, जींस-ट्राउजर, कुर्ता-पजामा एवं नाईट सूट आदि सभी तरह के गारमेण्ट में ग्राहकी सीमित है। लेडीज ड्रेस में फैंसी गारमेण्ट के साथ रेग्यूलर गारमेण्ट प्लाजो सेट, कुर्ती-टॉप, टी-शर्ट एवं बॉटम वियर में ग्राहकी कमजोर है।

रम्भा ड्रेसेज संचालक श्री सतीश पुनियानी के अनुसार नवरात्र पर ग्राहकी में थोड़ी सुधार हुआ है लेकिन इस बार कारोबार 70 प्रतिशत तक ही है। उत्तर भारतीय पड़ोसी राज्यों-पंजाब, हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश की ग्राहकी निकली है। रम्भा ड्रेसेज द्वारा निर्मित कुर्ता-पजामा 450/700 रुपए की मीडियम रेंज और नाईटी गाउन की 265/325 तथा सेट की 300/500 रुपए की रेंज में ग्राहकी बनी हुई है। शेरवानी बड़ो की 950 रुपए एवं बच्चों की 700/850 रुपए की रेंज में ग्राहकी है।

चीन में चार महीने पहले करवाना पड़ता था फ्लैनो कंबल बुक, अब हम कर रहे निर्यात

TM पानीपत–महावीर गोयल

पानीपत/ फ्लैनो कंबल की इतनी अधिक मारामारी थी कि हमें चीन से मंगवाने के लिए चार माह पहले बुकिंग करवानी होती थी। इस बीच डॉलर के रेट घट-बढ़ होने के साथ-साथ समुद्री किराया कम ज्यादा होने की चिंता सताती रहती है। चीन से आयात करने में कारोबारियों को नुकसान होने की चिंता अधिक हो रही थी। अब उन्हीं कारोबारियों के मेहनत के बदौलत पानीपत में फ्लैनो कंबल का उत्पादन हो रहा है। साथ ही पानीपत विदेशों में फ्लैनो कंबल निर्यात कर रहा है। अब स्थानीय मार्केट में रेडी डिलिवरी उपलब्ध करवा रहे हैं। क्वालिटी के मामले में चीन से बेहतर प्रोडक्ट हम बना रहे हैं। चीन से आयात करने वाले कारोबारियों को कस्टम, डीआरआई विभागों की परेशानी अलग से झेलनी पड़ती थी। यहां तक की दीपावली के सीजन में चीन से आने वाले कंटेनर पोर्ट पर रुक जाते हैं। समय पर माल नहीं पहुंचने से अलग से नुकसान उठाना पड़ता था। अब इन परेशानियों से पानीपत के कंबल कारोबारियों की निजात मिल चुकी है।

पानीपत में आठ यूनिट फ्लैनो कंबल बनाने के लिए लगे हैं। इन यूनिटों में कुछ अपने ब्रांड तो कुछ लेने वालों को ब्रांड के कंबल बना रहे हैं। कंबल कारोबारियों का दावा है कि वे विश्वस्तरीय क्वालिटी कम दाम में उपलब्ध करवाने में कामयाब हुए हैं।

मिंक कंबल और फ्लैनों में अंतर

फ्लैनो और मिंक कंबल पोलिएस्टर यार्न से बनाया जाता है। मिंक कंबल के मुकाबले फ्लैनो कंबल अधिक सोफ्ट होता है। मिंक कंबल के प्लांट से फ्लैनो कंबल बनाने का प्लांट चार गुणा महंगा होता है। फ्लैनो कंबल अधिक मुलायम होने के साथ-साथ चमकदार होता है। वजन में हल्का होता है। इसीलिए यह कंबल मिंक से भी सस्ता पड़ता है। मिंक कंबल का भाव 200 रुपये किलो है। 1.800 किलो ग्राम वजन का मिंक कंबल कम से कम होता है। यह कंबल 360 रुपये का पड़ता है। जबकि फ्लैनो कंबल 150-से 300 ग्राम पर स्क्वेयर मीटर का होता है। जो भाव 300 रुपये किलो होने के बावजूद वजन कम होने के कारण कम भाव में मिलता है। पानीपत में कंबल थोक और रिटेल में किलोग्राम के भाव से बेचे जाते हैं। गिफ्ट पैक में प्रति पीस कंबल बिकता है। 1000 रुपये से ऊपर के कंबल पर 12 फीसद और उससे कम के कम कंबल पांच पर प्रतिशत जीएसटी लागू है। बाजार में मिंक का कंबल 200 रुपये किलो होने के बावजूद 315 रुपये मिलता है। वहीं फ्लैनो कंबल 300 रुपये किलो होने के बावजूद वजन में कम होने के कारण 215 रुपये में मिल रहा है।

पानीपत से इन देशों को हो रहा फ्लेनो कंबल का निर्यात

माउली फैब प्राइवेट लिमिटेड के कपिल जिंदल का कहना है कि पानीपत में निर्मित फ्लैनो कंबल का यूएसए, ऑस्ट्रेलिया, यूके में निर्यात किया जा रहा है। चीन से भी बेहतर क्वालिटी होने के कारण पानीपत का फ्लैनों कंबल विदेशों में अधिक पसंद किया जा रहा है।

पानीपत में इन फर्मों में बनता है फ्लेनो कंबल

-माउलीफैब प्राइवेट लिमिटेड, बालाजी लूमटेक्स, अल्लेसा होम फर्निशिंग, बिमल इंडस्ट्रीज, फलानो वर्ल्ड, विंटर हग्स, लाइफ गोल्ड फैशन, सुयान टेक्सटाइल, केशव ओवरसीज।

वर्ष-11 अंक-17

Editorial

साड़ी का ग्लेमर कभी नहीं होगा कम

साड़ी भारतीय महिलाओं के दिल में विशेष स्थान रखती है। बेशक प्रोफेशनल्स के बीच रोजमर्रा में ड्रेस कोड़ बदल गये हो, लेकिन त्यौहारों एवं विशेष अवसरों पर साड़ी का महत्व न कम हुआ है और न कभी होगा। साड़ी का ग्लेमर है और हमेशा रहेगा। फैशन के अनुसार साड़ी के लुक बदल गये हैं। साड़ी के महत्व को समझते हुए कॉर्पोरेट्स टाटा ग्रुप, आदित्य बिड़ला ग्रुप और रिलायंस रिटेल 46000 करोड़ की इण्डस्ट्री में हाथ आजमा रहे हैं। अन्यथा साड़ी का संसार तो असंगठित और पारंपरिक ब्राण्ड्स के पास ही रहा है।

वर्ष 2017 में टाटा ने तानेरा, रिलायंस रिटेल ने अवंत्रा बाय ट्रेण्ड्स (2021) और आदित्य बिड़ला ग्रुप ने नवयासा बाय लीवा 2022 को लॉन्च किया है ऐसे में ऑर्गेनाइज्ड मार्केट में हलचल बढ़ी है। दूसरी ओर लीगेसी ब्राण्ड्स जैसे नल्ली, पोथीस, कल्याण सिल्क, आरएस ब्रदर्स, साई सिल्क कला मंदिर, द चेन्नई सिल्क है और असंख्य असंगठित ब्राण्ड्स है। टेक्नोपेक रिसर्च के अनुसार आक्रामक विस्तार के साथ साडी मार्केट वित्तीय वर्ष 2025 में छह प्रतिशत की सीएजीआर के साथ 61700 करोड़ रुपये पर पहुंच सकता है। टाटा समूह द्वारा साड़ी केटेगरी में एण्ट्री लेने का कारण यह था कि यह बड़े स्तर पर अनऑर्गेनाइज्ड लेवल पर फैलाव रखता है। पूरे सेगमेण्ट को वे मॉडर्नाइज और ऑर्गेनाइज करना चाहते हैं। वर्तमान में तानेरा के 11 शहरों में 28 स्टोर्स है और 2027 तक इसे 1000 करोड़ का ब्राण्ड बनाने का टार्गेट है। स्टोर्स की संख्या को तब तक 150 तक ले जाने का इरादा है। टेक्नोपेक की रिपोर्ट के अनुसार आर्गेनाइज्ड मार्केट 12500 करोड़ रुपये का है और इसे वित्तीय वर्ष 2025 तक 24700 करोड़ पर पहुंचाने का लक्ष्य है।

बिरला सेल्यूलोज का ब्राण्ड नवयासा बाय लीवा की थीम सस्टेनेबल मटेरियल से जुड़ी है। यही बात इन साड़ियों की ओर आकर्षित करती है। साड़ी इण्डस्ट्री बहुत बढ़ी है और हर लेवल पर महिलाओं की जरूरत को पूरा करती है। हर एज ग्रुप के बीच पसंद की जाने वाली साड़ियों का कलेक्शन देश में अवेलेबल रहता है। जानकार मानते है कि कॉर्पोरेट हाउसेज के लिए इस केटेगरी को समझकर बिजनेस करना इतना आसान तो नहीं है। इसमें एक्सपीरियंस और एबीलिटी की जरूरत है।

कल्याण सिल्क साउथ इण्डिया की सबसे बड़ी चैन में से है और उसके तीस टेक्सटाइल आउटलेट हैं। ऑर्गेनाइज्ड साड़ी मार्केट में दक्षिण भारत अहम हिस्सेदारी रखता है। उनका योगदान करीब 38 फीसदी है वैल्यूवाइज 2019-20 में 8800 करोड़ का योगदान रहा। जानकारों के मुताबिक लार्ज कॉर्पोरेट्स के आने से बाजार और बड़ा होगा, पेनीट्रेशन बढ़ेगा। टेक्नोलॉजी के हिसाब से भी विस्तार होगा। इनोवेशन की गुंजाइश भी रहेगी। 2022 में आयोजित हुए कान फिल्मोत्सव में दीपिका पादुकोण जूरी मेम्बर के रूप में शामिल हुई थी। उन्हें भी इवेंट के समापन में रफल साड़ी को चुना जिस प्रकार से साड़ी को लेकर प्रयोग होते रहे हैं और हो रहे हैं, उससे यह तो साफ है कि साड़ी इण्डिया मार्केट का बड़ा भाग है। इसलिए कॉर्पोरेट्स को इसमें बिजनेस नजर आया है। भले ही युवा पीढ़ी साड़ी को ओड फैशन मानती हो लेकिन वे भी आजकल त्यौहारी अवसर को किसी विशेष अवसर पर साड़ी पहनना ही पसंद करती है क्योंकि साड़ी नारी को अलग ही लुक प्रदान करती है। इसके अलावा देश के प्रधानमंत्री द्वारा भी भारतीय परिधानों को काफी प्रमोट किया जा रहा है। जिस प्रकार हिन्दू धर्म की ओर आस्था का सैलाब वापस उमड़ रहा है उसी तरह भारतीय पारम्परिक परिधानों की ओर भी झुकाव बढ़ता जा रहा है और ऐसा होना भी चाहिए।

सिंथेटिक यार्न बाजार ढलान पर

गिरावट के साथ खुल सकता बाजार

यार्न का सरप्लस उत्पादन व कपड़े में कमजोर कारोबार है मुख्य वजह

TM सूरत-गणपत भंसाली

कपड़े में दमदार ग्राहकी के अभाव व अंतरराष्ट्रीय बाजारों में क्रूड की कमजोरी के चलते में सिंथेटिक यार्न भावों में प्रति किलो 7 से 8 रुपये तक की गिरावट देखी गई। बाजार सूत्रों की माने तो दीपावली पश्चात खुलते बाजार में यार्न भावों में और भी मंदी सम्भव हैं। जहां एक और घरेलू बाजार में मेनमेड फायबर आधारित सिंथेटिक में पूछपरख कमजोर हैं वहीं यार्न एक्सपोर्ट भी बौना चल रहा हैं। ब्राजील, इजिप्त, बांग्लादेश रशिया जैसे देशों से नहीं के बराबर मांग चल रही हैं। यार्न में कमजोर लेवाली के बावजूद स्पिनरों को पीओवाय का उत्पादन पूर्ण क्षमता के साथ लेना पड़ रहा हैं, जबकि टेक्स्च्राइजर अपने उत्पादों में कटौती कर 50 प्रतिशत की क्षमता पर चला रहे हैं। घरेलू बाजार के रिलायंस, परसरामपुरिया आदि स्पिनरों के पास सिंथेटिक यार्न की पूछपरख कमजोर होने के पीछे एक वजह चाइना से बड़ी मात्रा में यार्न का आयात होना भी है, गौरतलब है कि वर्ष 2020 में चाइना से हजारों कन्टेनर की तादाद में सिंथेटिक यार्न आयात हुआ था व स्पिनरों द्वारा लाई जाने वाली कृत्रिम तेजी पर लगाम लगाने में सफलता मिल पाई थी। लेकिन वर्ष 2021 में चाइना से यार्न का आयात अलबत्ता कम हो गया था जबकि वर्ष 2022 में चाइना का निर्यात पुनः बढ़ा हुआ नजर आया। ज्ञात रहे कि जब इसी वर्ष की फरवरी माह में इंटरनेशनल बाजारों में क्रूड विगत 4 वर्षो के पश्चात 93 डॉलर प्रति बैरल पहुंचा तो महज कुछ ही दिनों की अवधि में सिंथेटिक यार्न बाजार में 15 रुपये प्रति किलो का उछाल आया गया था और इस इजाफे में जहां क्रूड का बढ़ना था वहीं चाइना से सिंथेटिक यार्न

का आयात प्रभावित हो जाना मुख्य वजह था, कारण चाइना में हर वर्ष 1 से 11 फरवरी के दौरान वसन्त पंचमी की तर्ज़ पर वहां एक फेस्टिवल मनाया जाता है जिससे उद्योग-व्यापार में गतिविधियां थम-सी जाती हैं।

ये भी उल्लेखनीय है कि जब जब भी व भिन्न भिन्न कारणों से चाइना से आयात प्रभावित हुआ है तो घरेलू स्पिनरों ने यार्न बाजार को तेजी के घोड़े पर सवार किया है, कभी पीओवाय आदि प्लांट मेंटेनेंस के नाम पर तो कभी क्रूड की तेजी के बहाने तो कभी स्पिनरों द्वारा आपसी सिंडिकेट बना कर। ये सर्वविदित है कि वर्ष 2021 के अगस्त माह में जब चाइना में डेल्टा वायरस ने पांव पसारे तो वहां की सरकार ने चीन पहुंचने वाले प्रत्येक विदेशी को 14 दिन कोरेन्टाइन रखने का आदेश दिया तो अनेकों भारतीयों का चाइना जाना थम गया था व वहां से यार्न की चालानी प्रभावित हो गई थी यह हालात देख ताक में बैठे स्पिनरों ने यार्न की शॉर्टेज का माहौल पैदा कर बाजार में कृत्रिम तेजी पैदा कर दी थी और यार्न बाजार 25 रुपये प्रति किलो तक उछाल खा गया था। सभी को स्मृत भी होगा कि जब चीन वर्ष 2021 में कोयले की शॉर्टेज से बिजली से जूझ रहा था तब भी घरेलू यार्न बाजार तेजीमय हो गया था। यही नहीं दिसम्बर 2020 से लेकर जनवरी 2021 की अंवधि में कोरोना की वजह से चाइना से आयात प्रभावित हुआ तो स्थानीय बाजार में सिंथेटिक यार्न बाजार रिकॉर्ड तेजी के गिरफ्त में जकड़ गया व यार्न बाजार में पीओवाय 50 प्रतिशत तथा सिंथेटिक यार्न 40 से 75 प्रतिशत तक उछाल खा गया था। बताया जाता है कि उस समय इस तेजी के पीछे 60 रुपये प्रति किलो तक बिकने वाला पार्शली ओरिएंटेड यार्न (पीओवाय) 90 रुपये प्रति किलो तक उछाल खा जाना था।

परिणामस्वरूप जून 2020 में 80 रुपये प्रति किलो की दर में बिकने वाला सिंथेटिक यार्न 120 तक चढ़ गया। अब इस तेजी में जहां इंटरनेशनल बाजारों में क्रूड का बढ़ जाना व चीन से कोरोना की वजह से आयात प्रभावित हो जाना है वहीं इंटरनेशनल बाजारों में कन्टेनर का किराया बढ़ जाना है। बहरहाल हर वर्ष जनवरी-फरवरी में सिंथेटिक यार्न किसी न किसी बहाने तेजी के घोड़े पर सवार हो ही जाता हैं। वैसे इस अवधि में तेजी के अनेक कारण समाहित है जिसमें सामने 4 से 5 माह की त्योहारी व वैवाहिक सीजन सामने होना मुख्य वजह है।

टेक्सटाइल मिरर

हेड ऑफिस
'मिरर हाउस' डी-297/2,
पन्नाधाय सर्कल के पास, आजाद नगर
भीलवाड़ा-311001 (राज.)
मोबाइल : 9829085976
E-mail: textilemirror1@gmail.com

संस्थापक
श्री रामगोपाल शर्मा

प्रधान संपादक
गोविन्द नारायण शर्मा

मुंबई एसोसिएट
कीर्ति दवे

संपादकीय सलाहकार

श्री रमेश जी पोद्दार
सियाराम सिल्क मिल्स, मुंबई

श्री राजेन्द्र जी अग्रवाल
मैनेजिंग डायरेक्टर
डोनियर इण्डस्ट्रीज, मुंबई

श्री जी.डी. राठी जी
एसजीएस सिल्क मिल्स, मुंबई

श्री सुनील जी टिबरेवाल
क्यूमेक्स वर्ल्ड, मुंबई

श्री देवकीनंदन जी जिंदल
चैयरमेन, बजाज ग्रुप-मुंबई

श्री नरेश जी (मीनु) अग्रवाल
डायरेक्टर-चिनार सिन्टेक्स लि. (भिवानी)

श्री शरद जी टण्डन
एसटण्डन कंसल्टिंग, मुंबई

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक गोविन्द नारायण शर्मा द्वारा मिरर हाउस, डी-297/2, आजाद नगर, भीलवाड़ा (राज.) से प्रकाशित एवं रेनबो ऑफसेट प्रिण्टर्स, बी-3, सुदर्शनपुरा इण्डस्ट्रीयल एरिया, जयपुर से मुद्रित।
संपादक-गोविन्द नारायण शर्मा,
फोन- 98290 85976
E-mail: textilemirror1@gmail.com

सभी विवादों हेतु न्याय क्षेत्र भीलवाड़ा ही है।

वस्त्र मंत्रालय द्वारा विकास और निर्यात ....

पृष्ठ-1 का शेष

घरेलू आपूर्ति से ही पूरी हो जाए और इस प्रकार उद्योग आत्मनिर्भर बन सकता है। यह पोलिएस्टर मूल्य श्रंखला में शामिल लाखों बुनकरों के लिए कच्चे माल की उपलब्धता को सुरक्षित करेगा जिससे तैयार माल के उत्पादन में वृद्धि होगी और निर्यात लक्ष्यों की प्राप्ति हो सकेगी। उन्होंने सुझाव दिया कि उद्योग को एक दूसरे को समझना चाहिए और पूरी मूल्य श्रंखला में पोलिएस्टर के उत्पादकों और उपयोगकर्ताओं के बीच मुद्दों को सौहार्दपूर्ण ढंग से हल करने के लिए तालमेल से काम करना चाहिए। उद्योग के प्रतिनिधियों ने कहा कि वे अगले 5 से 6 वर्षों में 100 अरब अमेरिकी डॉलर के निर्यात लक्ष्य को प्राप्त करने को लेकर बहुत आशान्वित हैं। उद्योग के प्रतिनिधियों ने कहा कि पोलिएस्टर जैसे प्यूरिफाइड टेरेफथेलिक एसिड (पीटीए) और मोनोएथिलीन ग्लाइकॉल (एमईजी) के निर्माण के लिए प्रमुख कच्चे माल की उत्पादन क्षमता का विस्तार डाउनस्ट्रीम उद्योग के उत्पादन में वृद्धि के लिए आवश्यक है। यह बताया गया कि पीटीए की अतिरिक्त इकाइयां स्थापित की जा रही हैं और डाउनस्ट्रीम उद्योग द्वारा लाखों करघे भी स्थापित किए जा रहे हैं जो अभी भी ठीक स्थिति में नहीं हैं।

कॉटन की जरूरत को पूरा करें

टेक्सटाइल मंत्री ने कहा कि टेक्सटाइल निर्माताओं को अपनी मांगों को पूरा करने के लिए कॉटन प्राप्त करने की दिशा में पहल शुरू करनी चाहिए। इसके अलावा कॉटन उद्योग के जुड़े सभी लोगों को कॉटन की उपलब्धता और कॉटन उत्पादों के बेहत्तर मूल्य को सुनिश्चित करने की रणनीति पर चर्चा करने के लिए मिलना चाहिए। टेक्सटाइल मंत्री ने देश की 11 निर्यात संवर्धन परिषद के वरिष्ठ प्रतिनिधियों के साथ वर्चुअल बैठक बुलाई गई थी। इसके अलावा कपड़ा उद्योग संघो के प्रतिनिधियों ने भी बैठक में भाग लिया।

क्षेत्र की मजबूती के लिए चर्चा हो

टेक्सटाइल मंत्री ने कहा कि टेक्सटाइल क्षेत्र को मजबूत करने पर नए विचारों पर चर्चा के लिए दो-दिवसीय बैठक का आयोजन किया जाए। कम से कम 50 प्रतिशत प्रतिभागी युवा होने चाहिए और समग्र जुड़ाव के लिए भारतीय गुणवत्त नियंत्रण, वाणिज्य, डीपीआईआईटी, वित्त, बैंकिंग निर्यात बीमा की भागीदारी होनी चाहिए ताकि व्यापक विषयों पर चर्चा की जा सके। केन्द्रीय मंत्री ने कहा कि पिछले साल टेक्सटाइल सेक्टर का निर्यात लगभग 42 अरब अमेरिकी डॉलर था, जबकि अगले 5-6 वर्षों तक इसे 100 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने का लक्ष्य है। उन्होंने कहा कि यदि हम इस लक्ष्य तक पहुंचने में सफल होंगे तो सामूहिक रूप से घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय तौर पर इस क्षेत्र का आर्थिक मूल्य 250 अरब अमेरिकी डॉलर होगा।

श्री गोयल ने भारतीय प्रशासनिक सेवा की अधिकारी सुश्री रचना शाह से निर्यात संवर्धन परिषद के प्रतिनिधियों का परिचय कराया। सुश्री रचना शाह टेक्सटाइल मंत्रालय के मौजूदा सचिव श्री यू पी सिंह की 31 अक्टूबर 2022 को सेवानिवृति के बाद पहल नवम्बर को अधिकारिक तौर पर कपड़ा मंत्रालय के सचिव का कार्यभार संभालेंगी। कपड़ा मंत्री ने सुश्री शाह को सूरत, नोएडा, तिरुपुर-कोयंबटूर और अन्य टेक्सटाइल केन्द्रों का दौरा करने का निर्देश दिया। इसके अलावा इन टेक्सटाइल हब के आस-पास पीएम मित्र के तहत प्रस्तावित आवेदनों पर विचार करने और उद्योग के प्रतिनिधियों की प्रतिक्रिया दर्ज करने का भी निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि टेक्सटाइल मिशन के तहत धन उपलब्ध है और इसका इस्तेमाल नई परियोजनाओं में किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि वस्त्र क्षेत्र की क्षमता को जी-20 में प्रदर्शित किया जा सकता है।

विदेशों से ऑर्डर घटे

भारतीय टेक्सटाइल उत्पादों के प्रमुख आयातक देशों में आर्थिक सुस्ती के चलते निर्यात में गिरावट आ रही है। निर्यातओं का कहना है कि पिछले कुछ महीनों से अमेरिका और यूरोप से ऑर्डर कम आ रहे हैं जबकि इन दिनों इन देशों से भारी मात्रा में ऑर्डर आते थे। निर्यातकों के अनुसार क्रिसमस और नए साल के लिए अमेरिका और यूरोप से पिछले साल की तुलना में ऑर्डर कम मिल रहे हैं। रुस-यूक्रेन संकट तथा अमेरिका और यूरोपीय देशों में आर्थिक सुस्त से पिछले कुछ महीनों से निर्यात घट रहा है और आने वाले महीनों में भी यही रुझान रहने की आशंका है।

पिछले वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान टेक्सटाइल क्षेत्र का 42 अरब डॉलर का निर्यात हुआ था। इस दौरान कॉटन टेक्सटाइल सेगमेंट की निर्यात में भागीदर 39 प्रतिशत रही और निर्यात 17.2 अरब डॉलर का था जबकि गारमेण्ट निर्यात की भागीदारी 36 प्रतिशत रही और निर्यात 16 अरब डॉलर का रहा। मानव निर्मित फेब्रिक्स और गारमेण्ट की हिस्सेदारी 14 प्रतिशत रही तथा निर्यात 6.3 अरब डॉलर रहा। इसके अलावा हस्तशिल्प का निर्यात 2.1 अरब डॉलर रहा।

कॉटन फैब्रिक्स में भाव स्थिर होने का इंतजार

पोपलीन, ड्रेस एवं ब्लाउज मटेरियल ग्राहकी का दूसरा दौर

TM नई दिल्ली–मिरर ब्यूरो

कॉटन फैब्रिक्स में भाव स्थिर होने का इंतजार है। पोपलीन, ड्रेस एवं ब्लाउज मटेरियल में ग्राहकी का दूसरा दौर जल्दी की आरंभ होने की उम्मीद है। व्यापारियों के अनुसार कॉटन फैब्रिक्स के भाव स्थिर होने के बाद उठाव बढ़ेगा। देवउठनी से शुभ कार्य आरंभ हो जाएंगे। उसके बाद दूसरे दौर की ग्राहकी जोर पकड़ेगी। विगत दिनों पोपलीन, रूबिया, फैंसी फैब्रिक्स सहित ड्रेस मटेरियल की सभी आइटमों में मांग अच्छी थी। फेस्टीवल सीजन के बाद अब लग्न की ग्राहकी चलने की उम्मीद है। खुदरा व्यापारी नए माल की खरीददारी के लिए आएंगे। व्यापारियों के अनुसार कॉटन की नई फसल आरंभ होने के बाद कॉटन नरम पड़ गई है जिससे फैब्रिक्स निर्माता भी भाव घटाकर बोल रहे हैं। व्यापारी भाव स्थिर होने का इंतजार कर रहे हैं। आने वाले दिनों में कॉटन फैब्रिक्स के भाव घटने की धारणा बनी हुई है।

नारायण ट्रेडिंग कम्पनी के श्री धनप्रकाश गुप्ता के अनुसार मोटे माल पशमिना, स्पन प्रिंट आदि में भी ग्राहकी है। फैब्रिक्स में दाम घटने की संभावना बन रही है क्योंकि कॉटन के भाव गिरे हैं। ऐसे में थोक व्यापारी ने नए माल की खरीदी कम कर दी है और पहले स्टॉक का माल बेच रहे हैं। अब लग्न की ग्राहकी खुलने की उम्मीद है। फेस्टीवल सीजन के दौरान कारोबार में अच्छा सुधार हुआ है और माल का उठाव बढ़ा है जिससे व्यापारियों का मनोबल मजबूत हुआ है। आगे लग्न की ग्राहकी रहने की उम्मीद है जिससे खुदरा स्तर पर बिक्री बढ़ने पर भुगतान की आवक में भी सुधार होगा। विगत दिनों पोपलीन एवं अस्तर में ग्राहकी अच्छी रही। ब्लाउज मटेरियल टू बाई टू एवं फैंसी फैब्रिक्स की मांग बढ़ी है। ड्रेस मटेरियल में कॉटन साटन, रेयॉन, कॉटन लाइक्रा, बिजी-लिजी, मोडाल सभी आइटमों की मांग निकली है। सूरत की ड्रेस में ग्राहकी बढ़ी है। स्पन, पशमिना प्लेन एवं प्रिंट में भी ग्राहकी निकली है।

दिल्ली हैण्डवर्क के लहंगा की मांग में इजाफा

दिल्ली हैण्डवर्क के लहंगा में की मांग में इजाफा हो रहा है। आगे फेस्टीवल सीजन के दौरान इसकी मांग बढ़ने की उम्मीद है। व्यापारियों का कहना है कि महंगी रेंज में अब ग्राहक मशीन वर्क की अपेक्षा हैंडवर्क ज्यादा पसंद कर रहे हैं। साड़ियों में दिल्ली वर्क, सूरत, बनारस एवं बैंगलूरु की साड़ियां मांग रहे हैं। व्यापारियों के अनुसार दिल्ली हैंडवर्क का लहंगा 5000/25000 रुपए की रेंज में अच्छा चल रहा है। सूरत की सस्ती रेंज में काम हो रहा है।

साड़ियों में सिल्क, टीसू एवं जारजेट पर दिल्ली वर्क अच्छा चल रहा है। दिल्ली हैंडवर्क की साड़ी 1000/3000 रुपए की रेंज में बिक रही है। दिल्ली हैंडवर्क के लहंगा में माइक्रा वेलवेट पर वर्क चल रहा है। बनारस एवं बैंगलूरू की फैंसी साड़ियों की 500/6000 रुपए की रेंज में काम हो रहा है। सूरत की सभी प्रकार की साड़ी, लहंगा एवं लांचा में ग्राहकी जोर पकड़ रही है। सूरत की हल्की, मीडियम एवं भारी सभी रेंज में ग्राहकी है। सूरत की 250/500 तथा 500 से 3000 रुपए तक की रेंज ज्यादा बिक रही है।

आगरा की प्रतिष्ठित होलसेल इकाई 'पीसी जैन एण्ड संस'

आगरा/ स्थानीय कपड़ा बाजार की प्रमुख होलसेल इकाई 'पीसी जैन एण्ड संस' आस-पास के 200 किमी के क्षेत्र में नामी कम्पनियों डोनियर, कडिनी, मितवा, टू वेल्यू, ईएमएफ एवं केरलोन का कार्य अपनी सहयोगी इकाइयों मधु टेक्सटाइल्स और राहुल टेक्सटाइल से कर रही है। संचालक श्री मनोज कुमार जैन ने कपड़ा व्यापार में युवा वर्ग को प्रेरित करने के लिए अपने भतीजे श्री राहुल जैन एवं पुत्र श्री दीप जैन को जिम्मेदारी दे रखी है जिसका वे सफलतापूर्वक निवर्हन कर रहे हैं।

श्री जैन के अनुसार उनकी मुख्य फर्म सत्येन्द्र ब्रदर्स है जिसकी करीब 60 वर्ष पूर्व स्थापना स्व. श्री पूरन चन्द जैन द्वारा की गई थी। जिसके अन्तर्गत सूरत की फैंसी साड़ियों का व्यवसाय श्री राजीव जैन द्वारा सफलतापूर्वक किया जा रहा है।

इसके अतिरिक्त श्री मनोज कुमार जैन संजय पैलेस के संयोजक भी है एवं कपड़ा मार्केट को वहां स्थानान्तरित करने हेतु प्रयासरत है।

मैसर्स मोती फैब्रिक (M. OSTWAL)

भीलवाड़ा/ स्थानीय टेक्सटाइल मण्डी की फर्म मोती फैब्रिक की स्थापना सन 2010 में हुई। इकाई के डायरेक्टर श्री अभिनंदन दरड़ा एवं उनके पुत्र श्री पुनीत दरड़ा ने बताया कि '**M OSTWAL**' ब्राण्ड के अन्तर्गत हमारी कंपनी डीएमएस फैब्रिक का उत्पादन करती है। इसमें ब्लेक ब्रायो, कॉटलुक, 2/18 पोलिएस्टर, पोलिएस्टर ट्रोविन इत्यादि का उत्पादन किया जाता है। कंपनी सभी प्रकार की सूटिंग में डील करती है साथ ही चैक्स सूटिंग का निर्यात भी करती है।

कंपनी के प्रोडक्ट यूपी, आसाम, कोलकाता, राजस्थान, दिल्ली, एमपी, महाराष्ट्र एवं नेपाल में सप्लाई होते हैं। व्यापार वृद्धि हेतु श्री दरदा ने सुझाव दिया कि हमेशा इनोवेशन करते हुए नियमित क्वालिटी में सुधार करना चाहिए एवं मार्केट की डिमाण्ड के अनुसार प्रोडक्ट्स बनाने चाहिए। संपर्क सूत्र- 97998 63800

मैसर्स अशोक एजेंसीज

कानपुर/ स्थानीय मार्केट में 35 वर्ष पूर्व श्री वल्लभराम महेश्वरी द्वारा स्थापित प्रतिष्ठित होलसेल इकाई 'अशोक एजेंसीज' प्रमुख रूप से सूटिंग, शर्टिंग, साड़ी, सूट, लहंगा ड्रेस मटेरियल, काम्बो पैकिंग इत्यादि उत्पादों का होलसेल व्यवसाय करने में सुप्रसिद्ध है।

इकाई के पास कोलकाता, मुंबई, सूरत, मथुरा व भीलवाड़ा आदि मण्डियों की मशहूर सूटिंग-शर्टिंग कंपनीज ब्राइट स्टाइल शर्टिंग, रमेश शर्टिंग, एसजीएस सूटिंग, चिनार फैब्रिक्स, विमल पोलीफेब, सिमोनाज सूटिंग, सोनको सूटिंग तथा साड़ी व लहंगा में जगदम्बा साड़ी, कयान साड़ी, निश्चय साड़ी, शिखा साड़ी, श्रीकृपा साड़ी, निधि, सुमंगला, श्रीवली दुल्हनिया लहंगा एवं सूट में श्री श्याम, मेमसाहब व लिजा (इनाया) आदि की डीलरशिप का कामकाज बिहार व यूपी राज्यों हेतु है। फर्म के संचालक श्री अशोक कुमार माहेश्वरी ने बताया कि मुख्य रूप से हमारा पूर्वी बिहार की रिटेल मण्डियों में ज्यादा कामकाज बना हुआ है। फर्म के युवा संचालक श्री रजत माहेश्वरी ने बताया कि हम सदैव सही दाम में सही उत्पाद सीजन अनुसार अपने रिटेलर्स बंधुओं तक पहुंचाने का पूरा प्रयास रखते हैं। सम्पर्क सूत्र-7081150004, 9451652862

मैसर्स 'श्री महालक्ष्मी टेक्सटाइल एजेंसी'

आगरा/ स्थानीय मार्केट में 1965 से स्थापित एजेंसी इकाई 'श्री महालक्ष्मी टेक्सटाइल एजेंसी' 57 वर्षों से प्रमुख रूप से पाली, बालोतरा, जोधपुर, भीलवाड़ा, अहमदाबाद, सूरत, इरोड़, बाराबंकी, टाण्डा इत्यादि मण्डियों के उत्पाद जैसे साड़ी, पोपलीन, फॉल, अस्तर, दुपट्टे, सूटिंग-शर्टिंग, यूनिफॉर्म फैब्रिक्स, लाइक्रा पीसी फैब्रिक्स, प्रिण्ट फैब्रिक्स, फोर व टू वे लाइक्रा फैब्रिक्स, स्वेड फैब्रिक्स, डिजिटल प्रिण्ट फैब्रिक्स, कॉटन प्रिण्ट फैब्रिक्स, इत्यादि का एजेंसी कार्य वेस्टर्न यूपी क्षेत्र हेतु करने में मशहूर है। इकाई का इस क्षेत्र में टोप टेन होलसेलर्स से वर्षभर कामकाज होता है। इकाई के पास वर्तमान में महावीर सिण्डीकेट (दुपट्टा कॉटन)-पाली, गंगा टेक्सटाइल, नवकार कॉटन मिल्स (कॉटन सूट)-जोधपुर, राधिका सिंथेटिक्स मिल, पालरेचा फैब्रिक्स (पोपलीन)-बालोतरा, श्री आर.वी. फैशन (साड़ी)-सूरत, बालाजी सिल्क मिल्स (ड्रेस मटेरियल फैंसी दुपट्टा)-सूरत आदि का एजेंसी कार्य है। एजेंसी के संचालक श्री अशोक कुमार गुप्ता ने बताया कि हमारे यहां एजेंसी कार्य पारदर्शी कार्यप्रणाली के तहत किया जाता है। इकाई के युवा संचालक श्री मोहित गुप्ता ने बताया कि इकाई अपनी सहयोगी फर्म मोहित ग्रुप एण्ड एसोसिएट व आर्यन इण्टरप्राइजेज के तहत एपीसी प्रोग्राम अनुसार यूनिफॉर्म एवं अन्य फैब्रिक का शू एक्सपोर्ट व्यापार संचालित करती है। पार्टी को कमिटमेण्ट के अनुसार सर्विस उपलब्ध कराने की पूरी कोशिश की जाती है। शू एक्सपोर्ट एण्ड लेमिनेशन से सम्बंधित सभी फैब्रिक उपलब्धता होती है।

सम्पर्क सूत्र:- 9319104130, 9359644130

दीपावली की अच्छी सेल से व्यापारी हुए उत्साहित

TM पिलखुवा-विक्रम प्रताप

दीपावली का पर्व इस बार कारोबारियों के लिये काफी अच्छा रहा है। गोदामों में लगे स्टॉक बिक्री नहीं चली तो कारोबारियों को काफी परेशानी का सामना करना पड सकता है। बाजारों दीपावली से कुछ दिन पहले ही कम्बल, चादर, रजाई गद्दे आदि में जोरदार मांग निकलने के साथ ही आशा से ज्यादा माल बिक गये। कपड़ा कारोबारियों का कहना है कि दीपावली पर पूर्व की दीपावली की अपेक्षा इस दीपावली पर कामकाज आशाजनक रहे।

सूत बाजारों में डाई के मालों में उठाव नहीं होने से मिलों ने धागे का उत्पादन कम कर दिया है। नोन डाई के धागों में भी मुलायमी का रूख बना हुआ है। गंगा स्नान के बाद बाजारों में कामकाज की चाल का पता लगेगा।

व्यापारिक सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार रिंगफ्रेम के धागों के अलावा डाई ओपन के धागों के भाव अधिक होने से कपड़ा मंडियों में धागे का उठाव नहीं होने से मिलों ने धागे का उत्पादन कम करने के लिये विवश होना पड़ रहा है। मिलों की धागा उत्पादन में कटौती के चलते ही आने वाले दिनो में धागे की बिक्री में सुधार नहीं होने पर मिलों को तैयार धागे के उत्पादन में कटौती करने के लिये मजबूर होना पड़ सकता है। नोन डाईंग व मिलों के धागो की हरियाणा एवं उत्तर प्रदेश की कपड़ा मंडियों में कपड़े का जोरदार उत्पादन रहा है। धागा बनाने वाली मिलों ने धागे की पूर्ती के लिये निरंतर ही प्रयास हो रहा है।

बाजारों में कपास की आवक बढ़ने तथा बाजारों में उठाव नहीं होने से मंदा होने की सम्भावना काफी बढ़ गयी है। बाजारों में धागे के भावों को लेकर के कारोबारियों व कपड़ा उत्पादकों में मंदी की निगाह बन रही है। कपड़ा मंडियों में ज्यादा मात्रा में हल्की क्वालिटी के कपड़े ही बन रहे हैं।

दीपावली पर कम्बल व गर्म माल में कारोबार करने वाले लक्ष्मीनारायण मोदी ने बताया दीपावली पर अन्य वर्षों की अपेक्षा इस वर्ष सेल तैयार मालों की उम्मीद से ज्यादा अच्छी रही है। कम्बल की सभी क्वालिटियों में जोरदार काम रहा है। थोक कारोबारियों के साथ ही रिटेलर का कामकाज गिफ्ट सप्लाई में बढ़िया रहा। चादर में काम करने वाले कारोबारियों का कहना है कि दीपावली पर गिफ्ट में चादर का बढ़ता चलन कपड़ा उद्योग के लिये के लाभकारी सिद्ध हो रहा है। चादरों के अलावा गर्म मालों में दिसावर की माँग बनी हुई है।

कपड़ा उद्योग के लिये दीपावली का पर्व कोरोना काल के खत्म होने के बाद यह वर्ष सबसे अच्छा रहा है। दीपावली की सेल को लेकर के कपड़ा कारोबारी काफी उत्साहित है। बाजारों में कामकाज नकद में ज्यादा होने से बाजारों में धन का प्रवाह भी सामान्य बना हुआ है। कपड़े के अलावा अन्य बाजारों में भी नकद का प्रचलन का बढ़ना व्यापार के लिये शुभ संकेत हैं।

निर्यातकों ने कहा, आयोजन रहा शानदार, फिर आएंगे

- भदोही में चार दिवसीय अंतरराष्ट्रीय कारपेट एक्सपो का समापन
- पानीपत के तीन निर्यातकों ने मेले में लगाया था स्टॉल, मिले ऑर्डर

TM पानीपत-महावीर गोयल

एक्सपो मार्ट में अंतरराष्ट्रीय कालीन मेले में पानीपत के तीन निर्यातकों ने स्टॉल लगाया था। चार दिवसीय इस मेले में हर निर्यातक को ऑर्डर मिले हैं। पानीपत के निर्यातकों का कहना है कि मेला सफल रहा। भदोही का एक्सपो मार्ट शानदार है। यहां आयातकों की काफी संख्या रही। आर्डर भी मिले हैं।

पानीपत के माडल टाउन, बत्रा कॉलोनी निवासी हेरिटेज एक्सपोर्ट कंपनी के नवीन बंसल ने कहा कि एक्सपो मार्ट की बिल्डिंग शानदार है। यहां संभावनाएं बहुत हैं। मेले में ऑर्डर जरूर मिले हैं पर और मिलने की उम्मीद थी। आयोजक की ओर से एक छत के नीचे बड़ी संख्या में विदेशी खरीदार (बायर) बुलाकर अच्छा मेला सजाया गया, व्यापार भी हुआ है।

अपने व्यक्तिगत अनुभव के आधार पर उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में अच्छे होटल नहीं हैं। उन्हें मिर्ज़ापुर में होटल बुक करना पड़ा। वहां भी संतोषजनक सुविधाएं नहीं मिलीं। एक्सपो मार्ट के समीप एक बढ़िया होटल होना चाहिए। भदोही के सारे स्तरीय होटल बुक हो चुके थे, इसलिए उन्होंने मीरजापुर में होटल बुक कराया था। कहा, भदोही में दोबारा आयोजन हुआ तो स्टॉल लगाने पुन: आएंगे।

काबरी रोड पानीपत के विशाल गर्ग ने कहा कि भदोही के अंतरराष्ट्रीय मेले में स्टॉल लगाना वाराणसी से बेहतर अनुभव रहा। यहां बिजनेस की संभावनाएं अच्छी हैं। आगे जब भी यहां फेयर लगेगा, जरूर आएंगे। मेले में उम्मीद से अधिक रिस्पॉस मिला है। यहां आने का उनका अनुभव शानदार रहा। उन्होंने आयोजकों की तारीफ की। कहा कि सभी व्यवस्थाएं अच्छी थी जैसे सेक्योरिटी, स्टॉल के लिए फुल स्पेस, बड़ा हाल व दुकानें काफी अच्छी थी।

मेवाड़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स द्वारा 'दीपावली स्नेह मिलन' का आयोजन

भीलवाड़ा/ मेवाड़ चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री की ओर से दीपावली महापर्व के अवसर पर स्नेह मिलन का आयोजन हुआ। मेवाड़ चेम्बर के नव नियुक्त अध्यक्ष श्री बी एम शर्मा, वरिष्ठ उपाध्यक्ष डॉ आर सी लोढा, उपाध्यक्ष श्री अनिल मिश्रा, श्री योगेश लड्ढा, मानद महासचिव श्री आर के जैन, संयुक्त सचिव श्री सुमित जागेटिया, कोषाध्यक्ष श्री एस के सुराणा ने स्नेह मिलन में जन प्रतिनिधियों, स्वयं सेवी संगठनों के प्रतिनिधियों, शहर के प्रबुद्ध नागरिकों एवं मेवाड़ चेम्बर के सदस्यों का स्वागत कर दीपावली की शुभकामनाएं दी।

इस अवसर जिला परिषद सी.ई.ओ. शिल्पा सिंह, जिला उद्योग केन्द्र के श्री राहुल देव सिंह, सीओ सदर श्री रामचन्द्र चौधरी भी उपस्थित थे।

स्नेह मिलन में मेवाड़ चेम्बर के पूर्वाध्यक्ष डॉ एस एन मोदानी, श्री श्री वी के सोडानी, डॉ पी एम बेसवाल, श्री जे सी लड्ढा, श्री जे के बागडोदिया, श्री दिनेश नौलखा, श्री जी सी जैन के साथ श्री आर एन मित्तल, श्री प्रकाश माहेश्वरी, श्री के के मोदी, श्री विनोद मानसिंगका, सीए अतुल सोमानी, श्री ओ पी डाड, श्री एस पी झंवर, बैंकर्स क्लब, भीलवाड़ा ब्रांच ऑफ आईसीएसआई, टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन, ऑटोमाइल्स मशीनरी डीलर्स एसोसिएशन, टेक्सटाइल एजेन्ट एसोसिएशन, दी क्लोथ मर्चेन्ट एसोसिएशन आदि के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने भाग लिया।

दीपोत्सव पर सभी परिधानों में शानदार ग्राहकी निकली

शीतकालीन वैवाहिक सीजन की कारोबारी गतिविधियां शुरू

TM गंगापुरसिटी-जे. पी. शर्मा

स्थानीय समेत आस-पास कपड़ा बाजार में पिछले दिनों दीपोत्सव पर्व की शानदार ग्राहकी निकली। इसी प्रकार छठ पूजा पर अच्छी ग्राहकी की संभावना है। शीतकालीन वैवाहिक सीजन की तिथियां जैसे-जैसे समीप आती जा रही है, वैसे-वैसे ही कपड़ा बाजार समेत सभी वस्तु बाजारों में सूटिंग, शर्टिंग, रेडीमेड गारमेण्ट्स समेत सभी महिला परिधानों में कारोबारी गतिविधियों की धमक बढ़ती जा रही है। 4 नवम्बर देव उठनी एकादशी के साथ ही शीतकालीन वैवाहिक सीजन एवं शुभ एवं मांगलिक कार्यक्रमों की शुरूआत हो जाएगी। जो आगे तक बनी रहने की संभावना है। नवंबर माह के शुरू होने के साथ ही कपड़ा बाजार समेत सभी वस्तु बाजारों में महिला/पुरुष उपभोक्ताओं की आवाजाही शुरू हो गई है जो दिन प्रतिदिन बढ़ती जा रही है। त्योहारी सीजन की ग्राहकी के बाद इन दिनों लग्नसरा की ग्राहकी स्पीड पकड़ती जा रही है। जिससे कपड़ा कारोबारियों में उत्साह का संचार बढ़ता दिखाई दे रखा है। आगे आगामी शीतकालीन लग्नसरा एवं विंटर सीजन के लिए कपड़ा कारोबार में अधिक सुधार होने की संभावना है। ऐसे में दिसंबर तक ग्राहकी बनी रहने की संभावना है।

मैसर्स राहुल कुमार, रजत कुमार थोक विक्रेता के संचालक जितेंद्र बजाज, राहुल बजाज, मैसर्स इंडियन क्लॉथ स्टोर के संचालक भविष्य कुमार एवं प्रमोद सागर, मैसर्स मोतीलाल, लक्ष्मीनारायण के संचालक संजय गोयल एवं नितिन गोयल, मैसर्स दामोदर लाल गुप्ता क्लॉथ मर्चेंट के संचालक दामोदर बजाज एवं गोपाल बजाज, मैसर्स एवन क्लॉथ स्टोर के संचालक अनवर खान एवं अकबर खान, मैसर्स श्री श्याम गारमेण्ट्स के संचालक नंदकिशोर गुप्ता एवं पंकज गुप्ता मैसर्स पंकज गारमेंट्स के संचालक रोहित सिंघल ने बताया कि सूटिंग-शर्टिंग में अधिकांशत किस्मों में कारोबारी गतिविधियों की शुरुआत हो रखी है और आगे कपड़ा कारोबार में सुधार होने की संभावना है।

ड्रेस एवं ब्लाउज मटेरियल में कॉटन प्रिंट की मामूली पूछपरख बनी हुई है। पोपलीन रंगीन एवं सफेद में भी हल्की-फुल्की मांगें ब्लाउज मटेरियल 2 बाई टू एवं फैंसी में ग्राहकी कमजोर पड़ गई है। एक और बाजार में मांग कमजोर पड़ रही है तो दूसरी ओर निर्माता भाव बढ़ा रहे हैं, क्योंकि कॉटन यार्न के भाव बहुत ऊंचे होने की वजह से फैब्रिक्स मांताओं को पड़ताल नहीं आ रही है। व्यापारियों के अनुसार पोपलीन रंगीन एवं व्हाइट गुड्स कुर्ता फैब्रिक लोन सहित सभी प्रकार के आइटमों में पूछपरख शुरू हो गई है। आगामी दिनों में ग्राहकी में सुधार होने की संभावना है।

साड़ी- नवरात्र शुरू होने के साथ ही सभी प्रकार की साड़ी एवं महिला परिधानों में पूछपरख शुरू हो थी जो प्रमुख त्यौहार करवा चौथ, दीपावली, छठ पूजा आदि पर शानदार ग्राहकी निकली। जिसमें साड़ियां, फैशनबल सिंथेटिक साड़ियां, लहंगा, चुनरी, लांचा में नोन ब्राण्डिंग में पूछपरख शुरू हो गई है। आगामी दिनों में इनमें अधिक ग्राहकी बढ़ने की संभावना है।

रेडीमेड गारमेंट्स- रेडीमेड मालों में लेडीज जेंट्स एवं बच्चों के सभी प्रकार के गारमेण्ट में मालों में पूछ परख शुरू हो गई है। जेंट्स में शर्ट ट्राउजर कुर्ता पजामा एवं नाइट सूट आदि सभी गारमेंट में पूछपरख शुरू हो गयी है।

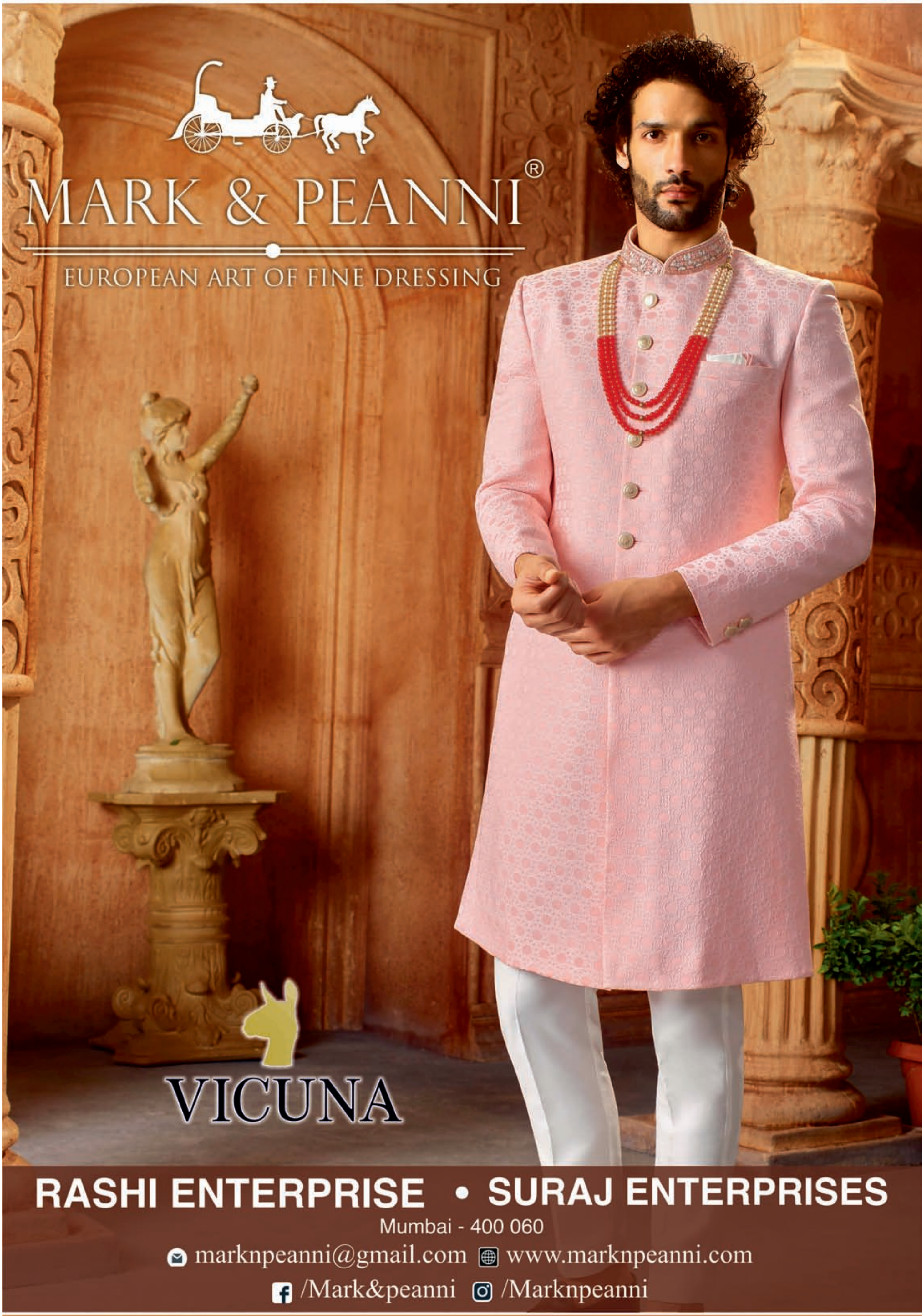
MARK & PEANNI®
EUROPEAN ART OF FINE DRESSING
VICUNA
RASHI ENTERPRISE • SURAJ ENTERPRISES
Mumbai - 400 060
marknpeanni@gmail.com www.marknpeanni.com
/Mark&peanni /Marknpeanni

Specialist in Polyester Textured Yarn and Knitting Fabrics

VINAYAK CLOTHINGS PRIVATE LIMITED

Dealing in
* Texturised & Twisted Yarn and Knitted Fabrics
* Polyester Spun Yarn
* Polyester Viscose Yarn

F-73, A-wing, 1st Floor, Express Zone Mall, Near Patel Vatika, Off. Western Express Highway, Malad (East), Mumbai-400097

For Trade Enquiries : +91 9920099202, E-mail: info@vcpl.co.in

कॉटन यार्न सहित अनेक यार्न की मांग कमजोर तथा भावों पर भारी दबाव

'मिरर ब्यूरो'

मुंबई/ यार्न बाजार में कारोबार मंदा है। कॉटन यार्न, पोलिएस्टर यार्न, पीवी तथा पीसी सहित यार्न की सभी चलनी आइटमों में धंधा घटा है। यार्न की कुछ वैराइटी के भाव घटकर स्थिर हो गए हैं अथवा कुछ मांग के अभाव में भाव गिरावट की ओर है। विशेषकर कॉटन यार्न सिंडीकेटों की तिकड़ी काम नहीं कर रही है। सट्टेबाजी की गुंजाइश नहीं होने से कॉटन यार्न में ट्रेंड नरम है। मिली जानकारी के अनुसार स्पिनिंग मिलों के पास कॉटन यार्न का भरपूर स्टॉक है, जो महंगी रूई के कारण ऐसे यार्न की लागत अधिक है और मौजूदा घटते बाजार में उचित भाव नहीं मिलने से मिले कम भाव पर उक्त यार्न को बेचने के लिए तैयार नहीं है, तो दूसरी ओर कॉटन यार्न की मांग ही घटती जा रही है।

सूती कपड़ों का बाजार में उठाव अच्छा नहीं होने से वीवर्स की कॉटन यार्न की मांग कमजोर बनी हुई है, जैसे ही सूती कपड़ों की मांग सुधरती है और रूई के भाव में थोड़ी स्थिरता आती है, तो कॉटन यार्न का उत्पादन बढ़ सकता है और निर्यात कामकाज भी सुधरने की अपेक्षा की जा रही है, जबकि इन दिनों न तो लोकल स्तर पर और न हीं निर्यात स्तर पर कॉटन यार्न की मांग बढ़ने का ट्रेंड नहीं दिखाई दे रहा है। सिंथेटिक यार्न भी घटना शुरू हो गया है, जबकि आगे नवम्बर महीने में पीटीए तथा एमईजी की सप्लाई तंग होने की संभावना बन रही है। ओपेक और ओपेक प्लस देशों ने क्रूड तेल उत्पादन दैनिक 20 लाख बैरल घटाने का निर्णय लिया है, इसका असर आगे हो सकता है।

यार्न उत्पादकों का कहना है कि घटती मांग के बीच कॉटन यार्न का उत्पादन जारी रखने में मिलों को नुकसान है। अभी करीब 20 से 25 प्रतिशत मिलों में ही कॉटन यार्न का उत्पादन नियमित हो रहा है। यदि मिले सस्ते दर यार्न बेचने को तैयार हो भी जाती है, तो भी इन दिनों में यार्न की मांग नहीं है। वीविंग गतिविधियां बहुत अधिक घट गई है। स्पिनिंग मिलें तब तक कॉटन यार्न के उत्पादन पूर्ववत करने से बचना चाहती है, जब तक रूई के भाव उचित स्तर पर नहीं पहुंच जाते। दूसरी ओर इस तरह की जानकारी मिल रही है कि उत्तरभारत और दक्षिण भारत की स्पिनिंग मिलों के पास कॉटन यार्न का भरपूर स्टॉक है और अभी कॉटन यार्न के भाव में गिरावट का दौर जारी है।

SIDDHESHWAR TEXTILE
MOB. 94130-57855

MONOGRAM YARN-Viscose Rayon

180/2 DYED	420
150/2 DYED	490
150/2 Dyed Export surplus	400
120/2 Dyed	550
Polyester Bright Yarn (dope dyed)	
150/2, Dark	180
150/2 color plus	165
150/2 bright catonic	170
100/light	190
100/2 catonic bright	190
Acrylic & Viscose spun	
2/40 100% golden	525
2/34 Golden pearl	550
2/40 100% grey	475
2/30 Viscose 100% grey	280
2/40 Viscose	310
Fancy Yarn	
Golden/silver -440 denier	405

BANSWARA SYNTEX LTD.
Contact: 94141 11656

1/20 KLKY	232
1/20 DYEDS 65/35 HT	252
2/30 NON TBL MELANGE 65/35	262
2/30 NON TBL FROSTEDS 65/35	260
2/30 AIR JET DYEDS 65/35	262
2/40 NON TBL Melange 65/35	302
2/40 AIR JET 65/35	270
2/50 NON TBL DYEDS 65/35	357
2/28 LYCRA DYEDS 62/34/4	362
2/38 LYCRA DYEDS 62/33/5	432
2/50 LYCRA DYEDS 61/33/6	507
1/14 LYCRA DYEDS 61/33/6	317
1/20 LYCRA DYEDS SPUNTEX 60/32/8	337
1/24 LYCRA DYEDS 60/33/7	341
1/30 DYEDS FANCY	270
2/40 PVT42/24/31TBL FROSED THRILL	244
2/42PVT 62/7/31 FANCY THRILL	269
2/40 PVT 45/24/31 FANCY THRILL	213
2/40 PT 69/31 THRILL	208

RATAN BARJATIYA SPINNING PVT. LTD.
BARJATIYA BROTHERS
INDENTING AGENT & DEALERS
All Type of Textiles Yarn, Swing Threads, Multi Fold Yarn & Fabrics
MILLS
- RELIANCE INDUSTRIES
- INDORAMA SYNTHETICS LTD.
- SURYA GROUP OF COMPANY HYDERABAD
- SWATI SPINNING MILLS
- PEE VEE TEXTILES
- ANKUR UDYOG LTD.
- Jagdamba Spinning Mills Ltd. Nepal
- Aruppukottai Shri Jayavilas Ltd.
- shri Karthikeya Spg. Weaving Mills Pvt. Ltd.
- Punjab Spin & Linters
- Garg Acrylics Ltd.
- Shri Meenakashi Mill Ltd.
- Kennigton Industries Pvt. Ltd.
- Sivanta Spuntex Pvt. Ltd
E-165, RIICO Indust. Area, Near RIICO Office, Pur Road, BHILWARA (Raj.)
Talefax: 01482-248144-45, Mobile: 94141-13144, 94141-11036
E-mail: barjatiya_brothers@yahoo.co.in, barjatiyabrothers2014@gmail.com

HIND SYNTEX LTD.
Contact: 94141 15916

2/15 PV TFO	170
2/30 TFO	185
15' PV	155
2/24 PV	180
2/30 POLYESTER TFO	160

P EE VEE TEXTILE, NAGPUR
Contact: 98290 46955

15PV	162

SURYALATA

15pv	162

GRASIM INDUSTRIES LTD.
Contact: 93521 45544

2/3NTBL	280
2/40 DYED	320
2/50 DYED	380

VALSON INDUSTRIES LIMITED
(MOB. 9414028933)

(DYED YARN)

Denier	LT/MD	DARK
150/0 Weft Dyed	213.00	223.00
150/0 Roto Dyed	218.00	228.00
150/350 Cone Dyed	229.00	239.00
85/Weft Dyed	223.00	233.00
85/0 Roto Dyed	225.00	235.00
85/300 Dyed	241.00	251.00
85 Royal Roto Twist	248.00	270.00
80/108 Micro Royal	253.50	263.50
100/144/300 Micro Dyed	250.50	260.50
80/34/600 Dyed Yarn	270.00	280.00
75/450 Bright Dyed	261.00	271.00
80/72 Cotluck Royal Roto	262.00	272.00
80/72 Roto Cutluk Dyed	238.00	248.00
150/350 Bright Dyed	257.00	267.00

(GREY YARN)

80/0 White Yarn	129
80/Roto White Yarn	131
80/300 Grey Yarn	160
80 Royal Warp Rotto	163
80/72/2 FD Cotlook HIM	144
80/2/72/300 FD ROTO	194
80/72/2 Royal Warp Catonic	202
150/325 Twisted Grey	144
150/325 Dope Dyed Black	147
150/500 DOPE DYDE BLACK	155
155/2/250 TPM White Yarn	143
80/1000 White Yarn	186
150/350 Bright White Yarn	149
100/450 Bright White Yarn	161

(Fancy Yarn)

250 Galaxy	303
160 Tex Space Dyed Sober	NA
170/350 Br. Space Dyed Ellora	NA
170/350 Sundram	NA

Fairmont International,Mumbai
Contact: 9819122497

Linen/Viscose, Linen/Cotton Yarn
Linen/Modal Yarn, Blend 55/45
Counts 10s,16s, and 20s Ringframe
(Packing - 60kg bag, 40 cones of 1.5 kg Prices are Ex Solapur + GST)

Gimatex Industries Ltd.
Contact:9414110791

2/30 PV Black	254
2/40 PV Black	286
2/30PVBlackSlub	NIL
2/30 Gray	205
2/30 Gray Slub	290
2/40 Gray	240

BHILWARA TEXTILE DIRECTORY Available
Hard Copy | Soft Copy
For Enquiry
96024 30777
8619337577

R.T.M.
Contact: 93140 32404

2/18	242
2/30	262
2/30 NTBL	272
2/40 NON TBL	312

BIRLA TEX. MILLS

2/30 NTBL	272
2/40 NTBL	317

C.T.M.
Contact: 94141 12130

2/30 NTBL	265
2/18 DYED	230
2/40 DYED	378
2/50 DYED	NA
2/30 FROSTED	268

ARHAM SPINNING MILLS
Contact: 9352110125

2/40 PC COMBED TFO	267
2/30 P/C 65/35 CW	230
2/40 PV 65/35	195
2/30 PV	170+GST

Nahar Recycled polyester yarn

1/15 Recycled Polyester	145+gst
1/12 Recycled Polyester	122+ gst
1/10 Recycled Polyester	120+gst
1/15 PV 65/35 Autoconed Grey yarn	175 +gst

LKY Mills, AHMEDABAD
Contact : 098797 62474

10 psy slub	170
20 psy slub	180
15 psy	145
2/15 psy	155
1/40 acrylic grey	325
2/40 acrylic grey	335
1/40 dyed acrylic	380
2/40 dyed acrylic	400
1/12 psy	140
3/12 psy	150
10 open end	105
3/10 open end	145
2/14 open end	150
3/14 open end	150
16s open end	150
20 visc vortex	225
30 visc vortex	235
40 visc vortex	260
2/16 viscose	235
2/30 viscose	260
2/40 viscose	285
20s psy	160
30s psy	170
40s psy	190
40 ap dyed	200
2/16 acr dyed	200
2/40 acrylic dyed	250
30 poly vortex	180
40 poly vortex	200
stock lot /surplus	150

RAGHAV GROUP
Contact: 9414111402

TRIDENT LIMITED

1/10 OE	218
1/14 OE	245
1/16 OE	250
1/20 OE	275
30 KW	385
30 CW	400
2/40 CW ELLY	385
40 CW COMPACT	445
50 CW COMPACT	445
60 CW COMPACT	470

ANKUR UDYOG LIMITED

1/30 POLY 100%	225
1/20 POLY 100%	105
1/15 POLY 100%	200

SIDDHARTHA SUPER SPG. MILLS

2/15 P/V DYED Olive Green	255
2/18 P/V BLACK	195
2/30 P/V BLACK	265

LNJ DENIM

6 OE	200
7 OE	202
8 OE	210
10 OE	215
10 LYCRA	385
16 LYCRA	400
10 SLUB LYCRA	415

Prahlad Rai & Co. (Gorakhpur)
Contact: 099358 27000

ANKUR	
1/20PV	180
Janvi	
1/15PSY	141
TRIVENI	
2/30PVY	190
2/40 PV	260
1/15 PV	180

POLYPICK THREADS P. LTD.
Contact: 9351524689

150/ 2 BRT	172
150/ 2 DOPE DYED LIGHT	185
150/2 DOPE DYDE DARK	200
150/ 2 COLOR PLUS	195
150/2 RAYON	575
180/2 RAYON	485
2/40 ACRYLIC	520
ZARI GOLDEN	380
ZARI SILVER	380

MODTEX TEXTURISER
Contact: 98292 50430

150/400 Cone DYED	194
150 HIM	183
150/400 GREY	185
300 HIM Cone Dyed	182
450/ATY	185

VISAKA IND. LTD.
Contact: 93514 27900

2/30 100% Polyester Gray	182
2/30 65/35 BLACK	263
2/30 65/35 GRAY	205
2/40 65/35 BLACK	302
2/30 PV 65/35 Heavy Dark Dyed	270

RELIANCE CHEMOTEX IND. LTD.
Contact: 98290 45352

2/30 SOLID DYED	260
2/40 SOLID TFO	310
2/30 FROSTED	255
2/18 BLACK	180
2/40 Black	270
2/50 CV German	372

BARJATIYA BROTHERS
Contact: 9468604145, 9414113144

RB SPINNERS, SURYALATA, ANKUR UDYOG, JAGDAMBA SPINNING

100% poly grey yarn	
2/40 pv	210
2/30	170
2/24	165
2/20	160
2/15	155
Singal yarn poly	
40 poly.	175 to 180
30	153 to 156
24.	150. To 153
20.	145 to 147
15 poly.	135 to 140
10 poly.	131 to 134
8 poly.	131 to. 134
Black poly yarn	
2/40 poly black	235
2/30 poly black.	185
2/18 poly black	158
2/15 poly black	155
40 poly black.	200
30 poly black	155 to 165
15 poly black.	140 to 144
9 poly black.	130 to 132
Recyed poly grey yarn	
2/30.	160
2/20.	150
2/15.	145
30	145
20.	135
15.	130
10.	127
Magic poly yarn	
2/49.	200
2/45.	196
2/40.	190
Poly magic black	
2/49.	202
2/45.	197
2/40.	192
2/15 GRINDEL.	145
2/30 GRINDEL.	165

Shekhawati Poly- Yarn Ltd.
Contact: 9699360666

80/72/1 HIM FD RW	130
80/108 HIM SD RW	126
80/72 HIM SD RW	123
72/48 HIM SD RW	124
75/48 HIM SD RW	122
150/48 HIM SD RW	111
75/108 SIM SD RW	113
75/72 SIM SD RW	125
150/108 SIM SD RW	122
75/36 NIM SD RW	118
85/36 NIM SD RW	117
100/36 NIM SD RW	116
150/48 NIM SD RW	108
72/36/350 TPM SD RW	122
74/34/350 TPM SD RW	138
80/34/350 TPM SD RW	138
150/36/350 TPM SD RW	137
100/36/550 TPM SD RW	130
75/36/600 TPM SD RW	160
85/36/600 TPM SD RW	158

टेक्सटाइल कंपनियों के शेयर्स में घटत-बढ़त

Courtesy by ProShareHub BEST PROFIT IN BLUE CHIP STOCKS

TEXTILE COMPANIES LIST

S.NO.	COMPANY	FACE VALUE	PRICE AS ON 16/10/2022	PRICE AS ON 31/10/2022	change in %
1	AARVEE DENIMS	10	25.4	25.6	1%
2	AK SPINTEX	10	61.2	61.6	1%
3	ALOK INDUSTRIES	1	16.9	15.6	-8%
4	ARVIND LTD.	10	96.2	92.8	-4%
5	ASHIMA	10	15.2	15	-1%
6	BANSWARA SYNTEX	5	96.4	100	4%
7	BOMBAY DYEING	2	97.1	81.6	-16%
8	DAMODAR IND	5	46.2	46.7	1%
9	DCM	10	80	77.5	-3%
10	DEEPAK SPINNERS	10	224	228	2%
11	DONEAR	2	58.5	58.2	-1%
12	FILATEX INDIA	2	98	99.9	2%
13	GARWARE TECH FIBERS	10	3452	3490	1%
14	GINI SILK	10	37.5	34.2	-9%
15	GOKALDAS EXPORTS	5	385	370	-4%
16	INDO RAMA SYNTHETICS	10	57.4	59.4	3%
17	JCT	2.5	3.05	3.15	3%
18	KAMADGIRI FASHIONS	10	64.4	76.5	19%
19	LUX INDUSTRIES	2	1700	1730	2%
20	MAFATLAL	10	352	312	-11%
21	MARAL OVERSEAS	10	65	63.2	-3%
22	MORARJEE TEX	7	18.1	20.4	13%
23	NAHAR SPINNING	5	300	280	7%
24	NITIN SPINNERS	10	210	200	-5%
25	ORBIT EXPORTS	10	158	181	15%
26	RAJAPALAYAM MILLS	10	837	819	-2%
27	RAYMOND	10	1156	1159	0%
28	REL CHEMOTEX	10	193	209	8%
29	RSWM LTD.	10	319	316	-1%
30	RUBY MILLS	5	228	221	-3%
31	SANGAM	10	260	277	7%
32	SH. DINESH MILLS	10	622	611	-2%
33	SHEELA FOAM	5	2648	2768	5%
34	SHEKHAWATI POLY YARN	1	0.75	0.57	-24%
35	SIYARAM SILK	2	457	442	-3%
36	SUTLEJ	1	66.4	65.6	-1%
37	TRIDENT LTD.	1	36.2	35.2	-3%
38	VARDHMAN TEX	2	345	334	-3%
39	WELSPUN	1	76.3	78.2	2%

RECOMMENDATION: EKANSH CONCEPTS @30.9 TGT 150 C.P 48.5
SAMPRE NUTRITION @ 35.95 TGT 100 (REVISE TARGET 300 C.P 211)
TELEGRAM CHANNEL: https://t.me/prosharehub(FIND PROSHAREHUB ON TELEGRAM)

कमजोर निर्यात से कारोबार सुस्त

पानीपत/ पानीपत निर्यात ऑर्डर कम होने से फिलहाल पानीपत का टेक्सटाइल उद्योग सुस्ती की चपेट में। नवम्बर के प्रथम सप्ताह टेक्सटाइल विशेषकर यार्न उद्योग अच्छा चलने की उम्मीद है। पानीपत का 70 फीसदी निर्यात यूएसए पर निर्भर जहां पर रूस यूक्रेन युद्ध का असर होने से ऑर्डर कम ही आ रहे हैं। कपास के भाव भी गिरे। पिछले छः माह में 11000 से गिरकर 7000 मन पार आए। धागा उत्पादकों ने उत्पादन कम किया इसके बावजूद स्टॉक बढ़ता जा रहा है एवं पाइप लाइन फुल है।

कंबल मार्केट में मांग निकलने से भाव पांच रुपए बढ़े हैं। पोलिस्टर यार्न भी तेज हुआ, जिस कारण कंबल यूनिट नुकसान में है। करवा चौथ एवं दिपावली की रिटेल मार्केट में बम्पर सेल देखी गयी। पानीपत में 100 यूनिट थ्रीडी चादर और मिंक कंबल के लगे हुए है जो नुकसान में होने के कारण 28 यूनिट बिकाऊ हैं। यार्न के भाव इस प्रकार रहे- -4 कोन 290 प्रति 5 किलो, 6कोन 320 रुपये, 10 कोन 80 रुपये प्रति किलो, 20 कोन 110 रुपये प्रति किलो, कोम्बर 126 कॉटन 7000 रुपये मन कलर री साइकल यार्न लॉस में बिक रहा।

चैयरमेन प्रोसेस में प्रोसेस हो रहा था

नकली सेल्वेज का कपड़ा

■ रेमण्ड की अधिकृत एजेन्सी के अधिकारियों की शिकायत पर हुई कार्यवाही

■ भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन, मेवाड़ चेम्बर एवं सिंथेटिक वीविंग मिल्स एसोसिएशन तीनों को मिलकर नकली कपड़ा बनाने वाले व्यापारियों को करना चाहिए ब्लेक लिस्टेड ताकि बार-बार बदनाम नहीं हो भीलवाड़ा

TM भीलवाड़ा-मिरर ब्यूरो

आखिर भीलवाड़ा के चन्द स्वार्थी नकली सेल्वेज निर्माताओं ने फिर अपना रंग दिखा ही दिया। सूटिंग के मेनचेस्टर के रूप में विख्यात भीलवाड़ा मण्डी यहां के साहसी वस्त्र निर्माताओं के बलबूते तेजी से आगे बढ़ रही है लेकिन समय-समय पर नकली सेल्वेज निर्माताओं के चलते बदनामी का डंक इसे बार-बार डसता रहता है। यही वजह है कि भीलवाड़ा के वस्त्र निर्माताओं को मुम्बई के वस्त्र निर्माताओं के बराबर वेल्यू कभी नहीं मिल पायी। जबकि मुम्बई के कई निर्माता भीलवाड़ा में कपड़ा बनवा और प्रोसेस करवाकर अपनी ब्राण्डिंग के दम पर अच्छे मार्जिन में कपड़ा बेचते हैं। इसके विपरीत यहां चंद स्वार्थी निर्माता मुम्बई के बड़े ब्राण्डों का नकली कपड़ा या उनसे मिलता-जुलता कपड़ा बनवाकर अच्छा लाभ कमाने के चक्कर में भीलवाड़ा को बदनाम करते रहते हैं।

हाल ही में रेमण्ड ने की कार्यवाही- प्राप्त जानकारी के अनुसार हाल ही में रेमण्ड लिमिटेड की अधिकृत एजेन्सी के फील्ड ऑफिसर सलीम खान एवं मनोज पई की शिकायत पर स्थानीय एसएचओ पुष्पा कासौटिया के नेतृत्व में भीलवाड़ा स्थित चैयरमेन प्रोसेस पर छापा मारा गया जहां रेमण्ड ब्राण्ड का 8000 मीटर से अधिक कपड़ा प्रोसेस होता पाया गया। जिसे कंपनी अधिकारियों ने जब्त कर लिया एवं इसके असली निर्माता का पता लगाया जा रहा है।

नकली सेल्वेज का असली मालिक कौन?- कार्यवाही के दौरान चैयरमेन प्रोसेस में तो कपड़ा प्रोसेस होने आया था, जो कि इस कपड़े का असली मालिक नहीं है। जबकि जिस निर्माता ने यह कपड़ा प्रोसेस हेतु भेजा उसका नाम अभी तक उजागर नहीं किया गया है और उसका नाम उजागर होगा भी या नहीं कहा नहीं जा सकता? क्योंकि सुनने में आया है कि नकली सेल्वेज निर्माताओं के हाथ कानून से भी लम्बे हैं। और अगर नहीं है तो ऐसे निर्माताओं पर सख्त कार्यवाही करते हुए इस कार्य में लिप्त सभी लोगों को जेल की सराखों के पीछे डाला जाना चाहिए। ताकि अन्य लोगों को भी इसकी सीख मिल सके।

अन्य कम्पनियों का भी हो सकता है कपड़ा- पकड़ा गया सारा कपना अधिकृत अधिकारियों ने अपने निगरानी में ले लिया है और उसमें 8141 मीटर कपड़ा रेमण्ड का नकली सेल्वेज होना बताया है लेकिन हो सकता है उसमें रेमण्ड के अलावा अन्य कम्पनियों का भी कपड़ा हो सकता है लेकिन इसका अभी खुलासा नहीं हुआ है। हालांकि इसकी पुख्ता जानकारी प्रोसेस मालिक से मिल सकती है। क्योंकि किस निर्माता ने यह कपड़ा प्रोसेस हेतु भेजा है यह उसको तो पता होगा ही। लेकिन छापे की कार्यवाही होते ही वे भूमिगत हो गये थे। 10-15 रुपये प्रति मीटर अधिक प्रोसेसिंग चार्ज लेने वाले प्रोसेसर्स इतना जल्दी असली निर्माता का नाम बताने में आनाकानी जरूर करेंगे।

आखिर कब रुकेगा यह सिलसिला- अब प्रश्न यह उठता है कि आखिर यह नकली सेल्वेज बनने का सिलसिला भीलवाड़ा टेक्सटाइल हब से कब रूकेगा। कब तक चन्द स्वार्थी निर्माता विश्वविख्यात इस मण्डी को बदनाम करते रहेंगे। आखिर क्यों नहीं भीलवाड़ा टेक्सटाइल ट्रेड फेडरेशन, मेवाड़ चेम्बर एवं सिंथेटिक वीविंग मिल्स एसोसिएशन तीनों मिलकर नकली कपड़ा बनाने वाले व्यापारियों को ब्लेक लिस्टेड कर देते हैं। क्योंकि कुछ व्यापारियों के चक्कर में भीलवाड़ा के अन्य व्यापारियों को भी शक की नजर से देखा जाता है। यही वजह है कि यहां के क्वालिटी फैब्रिक निर्माताओं को भी मुम्बई के निर्माताओं की तुलना में भाव कम मिल पाता है। अतः सभी को मिलकर इस नकली सेल्वेज रूपी नाग को कुचलना होगा ताकि भीलवाड़ा की छवि बार-बार धूमिल होने से बचा जा सके।

उधारी दे तो प्रेमिशरी नोट लिखाएं व फॉरवर्ड डेट का चैक अवश्य लें- श्री नरेंद्र साबू

सूरत/सूरत मर्केन्टाइल एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री नरेन्द्र साबू ने एक पत्र सोश्यल मीडिया में जारी करते हुए लिखा है कि व्यापारिक गतिविधियां 29 अक्टूबर से शुरू हो गयी है। एक हमारे खास जानकार हैं उनका एक केस आया सुनकर बड़ा आश्चर्य हुआ कि लोग किस हद तक गिर सकते है, पर एक सावधानी का भी सबक लेना चाहिए। घटनाक्रम कुछ इस प्रकार है की हमारे जो जानकार है उनके पिताजी ने सूरत टेक्सटाइल मार्केट के प्रतिष्ठित व्यापारी को 10 लाख हाथ उधारी दिए और 5 लाख पक्के में चैक दिया। हमारे जानकार के पिताजी की मृत्यु हो गई मृत्यु के 1 महीने बाद वह भाई व्यापारी के पास गए और बोले कि मेरे भांजी की शादी है मुझे मायरा भरना है पैसे की जरूरत है आप मुझे वापस दीजिए। तो उसने बोला आपके पिताजी मरने के 1 महीने पहले मेरे पास आकर 8 लाख वापस ले गए थे मेरे पास अभी सिर्फ आपका 2 लाख ही जमा है। मेरे जानकार ने बताया नरेंद्र भाई पिताजी को मरे हुए पूरे 5 साल हो गए ना तो 2 लाख हाथ ऊधारी के और ना ही पक्के के 5 लाख उसने वापस नहीं किए हैं, मुझे सूरत मर्केन्टाइल एसोसिएशन की इसमें मदद चाहिए। मैंने कहा अभी बाजार सब बंद है एसोसिएशन का वर्किंग कार्य 13 नवंबर के बाद शुरू होगी, उसके बाद आप का काम करवाने का भरसक प्रयास किया जाएगा।

आप अगर किसी को भी हाथ उधारी का रुपया दे रहे हैं तो उससे एक उसके लेटर पैड पर एक प्रेमिसरी नोट लिखवाए और फोरवर्ड डेट का एक चेक जरूर लेना चाहिए। यह आप लोग जिन्होंने भी हाथ उधारी की रकम किसी को दे रखी है तो यह कार्रवाई जरूर कर लेवे।

21st Century TOPMAN
TOPMAN FASHION PVT.LTD.
Off.: 63-Murli Textile Tower, Pur Road, Bhilwara, Mob.: 94141 13190
Ph.: 01482-260232, 260233, E-mail: topmansuiting@yahoo.com
Mills: G-214-215,RIICO 4th Phase, Bhilwara (Raj.)

Alumni Association of MLVT College Greeted the Business Icons

Bhilwara: Representatives of Thriving Engineers Alumni shown their gratitude to business leaders of bhilwara for being the Event Partners Dr SN Modani Ji (Sangam), Shree Dinesh Nolkha (Nitin Spinners), Shree Praveen Jain (BSL), Shree Sukesh Sharma (RSWM) of mega alumni meet FIESTA 2022 held on 17th September-2022.

On behalf of Alumni association, Chief Secretary Anurag Jagetiya and Ashish Inani (Business Head, AEON), Arvind Vashishtha (Training Placement Officer) and KG Bhadada greeted the business icons.

MCX elects Shri T Rajkumar as Chairman of the Cotton Product Advisory Committee

New Delhi: At the 1st Meeting of MCX reconstituted Product Advisory Committee meeting (PAC) held at Mumbai, Shri T Rajkumar, Chairman CITI, was unanimously elected as the Chairman of the Committee.

An urgent concern of the cotton textile industry has been the unprecedented volatility in raw cotton prices in domestic as well as international markets. In a bid to address the price volatility of cotton, stakeholders from the sector represented the matter to SEBI and MCX with a request to take measures to make the futures market more representative of the market trends and address the concerns arising out of the volatility.

हैदराबाद में 7 से 9 दिसम्बर,2022 को होगा 5वें 'यूनिफॉर्म एण्ड गारमेण्ट्स मैन्युफेक्चरर्स फेयर-2022' का आयोजन

सोलापुर/ 5वें यूनिफॉर्म एण्ड गारमेण्ट्स मैन्युफेक्चरर्स फेयर-2022' एक भव्य अंदाज में वापसी करने जा रहा है। उल्लेखनीय है कि कोरोना के चलते दो साल तक इस आयोजन को स्थगित रखना पड़ा था। सड़क- परिवहन एवं महामार्ग मंत्री श्री नितिन गडकरी ने सोलापुर गारमेंट्स मैन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन की ओर से इस आयोजन का ऐलान किया गया। इस बार यह आयोजन तेलंगाना के हैदराबाद के इज्जत नगर स्थित हाइटेक्स कंवेन्शन सेंटर में 7 से 9 दिसम्बर के बीच होने जा रहा है।

यह प्रदर्शनी 'सोलापुर गारमेण्ट्स मैन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन' एवं 'महावीर टेक्सटाइल ग्रुप, सोलापुर' द्वारा साझा रूप से आयोजित होगी

'टेक्सटाइल मिरर' है एक्सक्लुसिव मीडिया पार्टनर

कोरोना के पहले लगातार 4 बार सफलतापूर्वक इस एक्जीबिशन का आयोजन किया गया था। पांचवीं बार हो रहे इस आयोजन में 15 से ज्यादा देश और 200 यूनिफॉर्म उत्पादक हिस्सा लेंगे। इस प्रदर्शनी में 4,000 फैब्रिक डिजाइन और 20,000 से ज्यादा यूनिफॉर्म डिज़ाइन्स को प्रदर्शित किया जाएगा। इसे भारत की ओर से आयोजित सबसे बड़े यूनिफॉर्म और गारमेण्ट सोर्सिंग प्लेटफॉर्म के तौर पर पेश किया जा रहा है जिसका ऐलान भारत सरकार के तहत आने वाले एमएसएमई मंत्रालय और महाराष्ट्र के कपड़ा मंत्रालय द्वारा किया गया। इस भव्य प्रदर्शनी का आयोजन सोलापुर के महावीर टेक्सटाइल ग्रुप के सहयोग से किया जा रहा है।

प्रदर्शनी संबंधी शो के टीजर को लॉन्च करने के बाद श्री गडकरी ने कहा कि यह प्रदर्शनी देश के लिए एक प्रामाणिक मंच के तौर पर उभरेगा। उन्होंने कहा, देश के सभी यूनिफॉर्म गारमेण्ट मैन्युफेक्चरर्स, यूनिफॉर्म फैब्रिक उत्पादक और यूनिफॉर्म एक्सेसरीज मैन्युफेक्चरर्स इस प्रदर्शनी में भाग लेंगे। मुझे नहीं लगता है कि देश में इस तरह के आयोजन के क्षेत्र में फिलहाल इस तरह का दूसरा कोई बड़ा मंच उपलब्ध है। मैं यूनिफॉर्म को लेकर इस तरह के भव्य आयोजन के लिए सोलापुर गारमेंट्स एसोसिएशन को बधाई देना चाहता हूं। यह पूरे देश के लिए ही नहीं, दुनियाभर के लिए सबसे बड़े मंच के तौर पर उभरकर आएगा। श्री गडकरी ने कहा कि महज देश के ही हितधारकों को नहीं, बल्कि दुनियाभर के हितधारकों को इस प्रदर्शनी में अपनी भागीदारी दिखानी चाहिए। उन्होंने कहा, प्रदर्शनी में दुनिया के विभिन्न देशों की सक्रिय भागीदारी के लिए मैं विभिन्न देशों के उच्चायोगों को निजी तौर पर पत्र लिखूंगा। मेरा मानना है कि यूनिफॉर्म सेक्टर से जुड़े सभी खुदरा विक्रेताओं को इस प्रदर्शनी में हिस्सा लेना चाहिए। यह उनके विकास और भविष्य की योजनाओं के लिए लाभकारी सिद्ध होगा। इस मौके पर श्री नितिन गडकरी ने 5 साल पहले प्रदर्शनी की संकल्पना तैयार करने वाले महाराष्ट्र के कपड़ा मंत्री सुभाष देशमुख की भी जमकर तारीफ की। उन्होंने कहा कि सोलापुर गारमेण्ट्स मैन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन को एक अनूठे किस्म की प्रदर्शनी आयोजित करने के लिए प्रेरित किया जिससे ना सिर्फ यूनिफॉर्म उत्पादन उद्योग को बढ़ावा मिला, बल्कि इससे सोलापुर को यूनिफॉर्म हब के तौर पर उभरने का भी मौका मिला है।

इस प्रदर्शनी में यूनिफॉर्म और गारमेण्ट उत्पादक, यूनिफॉर्म फैब्रिक मैन्युफेक्चरर्स हिस्सा लेंगे और यहां पर स्कूल बैग, बेल्ट, टाई इत्यादि चीजों को भी प्रदर्शित किया जाएगा। स्कूल यूनिफॉर्म, कॉर्पोरेट यूनिफॉर्म, वर्क वियर यूनिफॉर्म, अस्पताल यूनिफॉर्म, इंडस्ट्रीयल यूनिफॉर्म, होटल यूनिफॉर्म और अन्य तरह के एक्सेसरीज को यहां पर भव्य रूप में प्रदर्शित किये जाने की व्यवस्था की जा रही है। उल्लेखनीय है कि इस प्रदर्शनी में मफतलाल, एस. कुमार्स, वालजी, क्यूमेक्स, स्पर्श फेब, शुभटेक्स, गंगोत्री टेक्सटाइल, संगम, वॉकी-टॉकी, प्रणेरा जैसे प्रतिष्ठित टेक्सटाइल मिलें हिस्सा लेंगी।

सोलापुर गारमेंट्स मैन्युफेक्चरर्स एसोसिएशन के निदेशक श्री विजय डकालिया कहते हैं, यूनिफॉर्म्स, फैन्सी गारमेण्ट्स और यूनिफॉर्म फैब्रिक उत्पादक पहली बार तेलंगाना के हैदराबाद में अपने उत्पादों का एक ही छत के नीचे प्रदर्शित करेंगे। महाराष्ट्र के बाहर इस प्रदर्शनी का आयोजन कर हम बेहद गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं। हम देशभर के टेक्सटाइल इंडस्ट्री के विभिन्न सेक्टरों से अच्छे रिस्पॉंस की उम्मीद करते हैं। वे आगे कहते हैं कि इस साल बी2बी एरेना का आयोजन प्रदर्शनी में आने वाले खरीददारों के लाभकारी सिद्ध होगा और उन्हें एक्जिबिटरों से सीधे तौर पर मिलने और बातचीत करने का मौका मिलेगा। इतना ही नहीं, इस प्रदर्शनी में प्रतिष्ठित मिलों की ओर से एक विशेष सत्र का आयोजन किया जाएगा जिसके अंतर्गत एक्जिबिटरों को गुणवत्ता को लेकर शिक्षित किया जाएगा।

'टेक्सटाइल मिरर' न्यूज पेपर इस एक्जीबिशन का एक्सक्लुसिव मीडिया पार्टनर है। ऑनलाइन पंजीकरण के लिए www.solapuruniforms.com पर विजिट कर सकते हैं।

पिछला पखवाड़ा छुट्टियों में बीता, अब लग्न की ग्राहकी का इंतजार

सूटिंग-शर्टिंग, ड्रेस-ब्लाउज मटेरियल, साड़ी-लहंगा में कारोबार अच्छा रहने की उम्मीद

TM नई दिल्ली-प्रवीण राणा

कपड़ा बाजार में पिछला पखवाड़ा छुट्टियों में बीत गया और लग्न की ग्राहकी खुलने का इंतजार है। दीपावली से पहले कारोबार सामान्य रहा लेकिन बाजार में ग्राहकी की बहुत ज्यादा मारामारी नहीं रही फिर भी फेस्टीवल सीजन की ग्राहकी से कारोबार में जितना भी सुधार हुआ है, उससे व्यापारियों का मनोबल जरूर थोड़ी मजबूत हुआ है। अब देव उठनी से शुभ कार्य आरंभ हो जाएंगे। नवम्बर-दिसम्बर में लग्न के दिन है और उसके बाद नए साल 2023 की प्रथम छमाही में लग्न के दिन हैं इसलिए लग्न की ग्राहकी बनी रहने का अनुमान है।

दीपावली से पहले सूटिंग-शर्टिंग, ड्रेस-ब्लाउज मटेरियल, साड़ी एवं लहंगा में ग्राहकी अच्छी रही। नवम्बर-दिसम्बर में लग्न के दिन कम है फिर भी अगले छमाही में लग्न के अनेक दिन है इसलिए अगले छः महीने कारोबार चलते रहने की उम्मीद है। दूसरी ओर रेडीमेड गारमेण्ट में इस बार कारोबार का वोल्यूम कम है। फेस्टीवल सीजन बहुत अच्छा नहीं गया और अपेक्षित कारोबार नहीं हो पाया है।

आगे भी बहुत अच्छे कारोबार की उम्मीद तो नहीं है फिर भी काम चलता रहेगा और कारोबारी गतिविधियां जारी रहेंगी। अगले छः महीने उत्पादन एवं विपणन केन्द्रों से माल की आवाजाही बनी रहेगी। अभी तक गर्म मालों में भी बहुत ज्यादा काम नहीं हुआ है। वूलन, टेरीवूल एवं टीआर सूटिंग में ग्राहकी सामान्य रही। शॉल-कम्बल आदि में लेन-देन के लिए दीपावली के दौरान थोड़ी ग्राहकी निकली लेकिन अभी आम ग्राहकी कमजोर है।

व्यापारियों के अनुसार इस बार व्यापारियों की खरीददारी के रुझान में परिवर्तमान आया है। पहले व्यापारी नवरात्रों से भरपूर खरीददारी करते थे लेकिन इस माल सीमित मात्रा में माल जा रहे हैं। व्यापारी मन बना चुके हैं कि जैसा चलेगा वैसा खरीद लिया जाएगा।

बहरहाल ग्राहकी चलने से भुगतान की आवक में भी सुधार आया है और आगे इसमें और सुधार की उम्मीरद है। जो व्यापारी नए माल की खरीदी कर रहे हैं, वे पुराना भुगतान भी दे रहे हैं।

सूटिंग-शर्टिंग में इस बार सभी तरह के मालों की मांग है। वूलन, टेरीवूल, टीआर सिंथेटिक एवं कॉटन सूटिंग की मांग है। विंटर सीजन के लिए सूटिंग में प्लेन, सेल्फ एवं चैक्स की ज्यादा मांग है। स्ट्राइप भी बिक रही है। सेल्फ डिजाइन ज्यादा चल रहे हैं। कॉम्बी पैकिंग जोड़े-सफारी की मांग है। शर्टिंग में भी प्लेन, सेल्फ, चैक्स एवं प्रिंट की मांग है।

अरविंद मिल की विस्तृत रेंज बाजार में मौजूद है और सभी तरह की सूटिंग-शर्टिंग बिक रही है। अरविंद मिल के एजेंट श्री हंसराज गौतम के अनुसार अगाथे की सिंथेटिक, टीआर सूटलेंथ, कॉम्बी पैकिंग, सफारी में मांग बनी हुई है। कॉटन सूटिंग-शर्टिंग की मांग बनी हुई है। इसकी डेनिम में भी अच्छा काम हो रहा है। मिल के तहत सभी ब्राण्ड की सूटिंग-शर्टिंग में कॉटन, पीवी, पीसी, कॉटन लिनन, प्योर लिनन, टीआर सूटलेंथ, जोड़े सफारी की मांग अच्छी बनी हुई है। कॉटन सूटिंग-शर्टिंग एवं डेनिम में नए रंग-डिजाइनों की मांग है।

वेलवेट होम के श्री दीपक गुप्ता के अनुसार दीपावली की छुट्टियां निबटने के बाद ग्राहकी का दूसरा दौर आरंभ हो जाएगा इसमें लग्न की ग्राहकी रहेगी। नवम्बर-दिसम्बर के लग्न की ग्राहकी चलने की उम्मीद है। सूटिंग-शर्टिंग, टीआर एवं सूटलेंथ, जोड़े, सफारी आदि सभी आइटमों में ग्राहकी का रुझान है और उठाव बढ़ रहा है। सूटिंग में सेल्फ की मांग ज्यादा है जबकि चैक्स एवं लाइनिंग की मांग सीमित है। शर्टिंग में प्लेन, सेल्फ, लाइनिंग एवं चैक्स की मांग है।

जैन ब्रदर्स के श्री रोहित जैन के अनुसार विंटर सीजन की ग्राहकी निकलने से कारोबार पटरी पर लौटा रहा है। आगे भी ग्राहकी बनी रहने की उम्मीद है। सूटिंग में प्लेन, सेल्फ एवं चैक्स की मांग ज्यादा है। टीआर में प्लेन एवं चैक्स की मांग है। वूलन एवं टेरीवूल सूटिंग की मांग है। जोड़े-सफारी की मांग सीमित है।

खुलने लगी वैवाहिक सीजन की ग्राहकी

TM उज्जैन-अभिषेक भूता

लग्नसरा की ग्राहकी अभी मालवा निमाड़ एवं समीपवर्ती राजस्थानी इलाकों के थोक एवं खुदरा बाजारों में उत्साह के साथ आगे बढ़ रही है। इस कारण व्यापारियों का मनोबल बढ़ा हुआ है। क्षेत्र में ठण्ड का माहौल बना है। रबी की फसल की बुवाई जारी है। अब नवम्बर एवं दिसम्बर में ठण्ड तेज पड़ सकती है। परंतु विवाह कार्य जारी रहने वाले हैं। वैसे लग्नसरा के कारण ग्राहकी रफ्तार पकड़ेगी। थोक कपड़ा बाजार में फिनिश्ड सिंथेटिक्स फैब्रिक की मांग लगातार बढ़ रही है।

प्रमुख उत्पादक मण्डियों में ग्रे के भाव स्थिर चल रहे हैं। साड़ियों, ड्रेस मटेरियल की मांग बढ़ी है। शर्टिंग एवं सूटिंग में भी ग्राहकी अच्छी है। आने वाला भविष्य यार्न बाजार पर निर्भर है। अभी थोक व्यापारी लग्नसरा की तमाम आइटमों में स्टॉक बढ़ा रहे हैं। थोक कपड़ा बाजार में वांछित ग्राहकी का आगाज हुआ है और सभी क्षेत्रों में विवाह संस्कारों का प्रतिफल देखने को मिल रहा है। इस समय अभी फेरी वाले तमाम वूलन आइटमों के खरीददार बने हुए हैं। वूलन की थोक खुदरा दुकानों पर ग्राहकी अच्छी है। रेडीमेड थोक गारमेण्ट निर्माता सीजन का काम कर रहे हैं। सूरत की 'सोधर्म टेक्सटाइल' प्रिण्ट एवं सोबर में अच्छा कामकाज कर रहे है। 'अरिहंत ट्रेडर्स' के प्रीमियम जोडे अच्छे बिक रहे हैं।

वैवाहिक सीजन से कामकाज बढ़ने के आसार

TM बालोतरा-एल. सी. पुनीत

रोशनी, सजावट व खरीददारी की दृष्टि से नागरिकों ने लम्बे समय बाद उत्साह उमंग की अनुभूति को प्रदर्शित किया। वैसे संस्कारों से आबद्ध त्योहार जब भी आते हैं। पूरी निष्ठा से ही सदा मनाये जाते रहे हैं। दीपोत्सव के उपलक्ष में औद्योगिक क्षेत्रों में कई प्रतिष्ठानों ने मनमोहक सज्जा से अभिभूत किया है। अवकाश के कारणों से सड़कें विरान-सी ही नजर आई। भीड़ का दृश्य बनाने वाले श्रमिक वर्ग के अपने गृह ग्रामों में कूच करने से शांति का परिदृश्य आभाषित होना कोई नई बात नहीं है। लाभ पंचमी के बाद लगभग एक सप्ताह तक औद्योगिक गतिविधियां धीरे-धीरे गतिशील होगी उसके बाद सीजन के कारण कार्य प्रतिक्रियाएं अपने शिखर पर आये बिना नहीं रहेगी। हवा और दीयों के परिपेक्ष में अनुभवी उद्यमियों का कहना है कि बाजार शांति के साथ चलने में सक्षम बनेंगे। मंदी की आंधी भी बेअसर होगी और नये उत्पादनों को भारी प्रश्रय मिलेगा इसके साथ यह लिखना भी महत्वपूर्ण होगा की मंदी के पक्षधर आज भी अपनी बात को कई तर्कों से सही होने की ही कहते हैं। रिको क्षेत्र के उन प्रतिष्ठानों को जो लम्बे समय से सीईटीपी से जुड़ने को लालायित थे और इसकी प्रक्रिया में लाखों रुपये कभी के खर्च भी कर चुके थे और अब तक उत्पादन लेने से ही महरूम रहे। उनके लिए दीपावली एक तोहफा बनी। प्रदूषण मण्डल से सहमति/ स्वीकृति मिलने से ऐसी यूनिटें अब उत्पादन करने में संलग्न हो सकेगी और उन प्रतिष्ठनों का निस्तारित प्रदूषित जल शोधन हेतु संयत्र में लिया जाना संभव बन सकेगा। लघु उद्यमियों की उत्पादन में सहभागिता इससे बढ़ेगी और रंगाई छपाई उद्योग को इससे विकसित होने के अवसरों में वृद्धि होगी। सूर्य ग्रहण के कारण इस बार रामा-शामा अर्थात शुभकामनाओं के आदान-प्रदान का रंग फीका रहा वैसे भी मोबाइल की विकासशील संस्कृति में व्यक्तिगत आवाजाही सीमित हो गई है। प्राय: सभी इसी माध्यम से अपनी भावनाओं के प्रेषण में ही इतिश्री मानने की नई परम्परा बढ़ रही है। समय बचत का इसे परिष्कृत रूप कह सकते हैं परंतु इससे आत्मीयता विलोपित होने का खतरा भी दृष्टव्य है। इस सीजन में वैवाहिक प्रसंग की धूम है। शादियों के कार्यक्रम अब निवास स्थान से परे अन्यत्र होने का सिलसिला है। जगह की विपुलता एवं शान-शौकत के कारण रिसोर्ट को तरजीह देने का रिवाज बन रहा है सुविधाओं और व्यवस्थाओं को दृष्टि से विशिष्ट बंधु इस ओर विशेष आकर्षित भी है। उद्यमियों की रूचि इस ओर बढ़ रही है और कई उद्यमियों ने इसे आय का अभिनव उद्योग समझ कर अपने स्वयं के रिसोर्ट भी बनाये हैं।

मुहूर्त की चालानी लाभ पंचमी के बाद ही होती है। परंतु कतिपय औद्योगिक संथानों ने दीवाली के दिन ही गांठ बांधने व बिल बनाने की प्रक्रिया को अंजाम देने के समाचार है। पूर्व में मुहूर्त की चालानी पर मिठाई का रिवाज अब प्राय: समाप्त हो गया है। दीपावली की रंगत जिस प्रकार रही, इससे लगता है स्थानीय उद्योग को नये पंख लगेंगे।

एसईएल टेक्सटाइल्स के निदेशक को सीबीआई ने किया गिरफ्तार

नई दिल्ली/ सीबीआई ने 1530.99 करोड़ रुपये की बैंक धोखाधड़ी से जुड़े मामले में लुधियाना की मैसर्स एसईएल टेक्सटाइल लिमिटेड नामक निजि कंपनी के निदेशक नीरज सलूजा को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने इस कंपनी और उसके निदेशकों समेत अन्य के खिलाफ 2020 में मामला दर्ज किया था। आरोप यह है कि कंपनी और उसके निदेशकों समेत आरोपियों ने सेण्ट्रल बैंक ऑफ इण्डिया के नेतृत्व में 10 बैंकों के संघ को धोखा दिया है।

सूती, नीटेड कपड़ा और डेनिम के साथ प्रोसेसिंग चार्ज में हुई भारी वृद्धि से दीपावली पर फिनिश कपड़ों की मांग रही कमजोर

TM मुंबई–मिरर ब्यूरो

पिछले दो वर्षों में कोरोना महामारी के कारण कपड़ों में कारोबार अच्छा नहीं होने के बाद इस वर्ष दीपावली के अवसर पर थोक कपड़ा बाजारों में कारोबार अच्छा होने की उम्मीद व्यापारियों ने की थी, लेकिन ऐसा नहीं हो सका। रिटेल में अपेक्षा के अनुसार कारोबार नहीं हुए, इससे कपड़ों की मांग मंद रही और बिके माल का समय पर भुगतान नहीं लौटा। रूई के भाव करीब 40 प्रतिशत तक बढ़ने से सूती कपड़ों में वृद्धि अपेक्षा से अधिक रही तो प्रोसेसिंग चार्ज 10 प्रतिशत बढ़ा जिसकी मार कपड़ों की ग्राहकी पर पड़ा। तात्पर्य यह है कि कपड़ों की मांग बढ़ने के बदले धीमी पडी तथा अब कपड़ों में दीपावली वेकेशन होने से करीब एक सप्ताह तक सौदा एवं लेनदेन सब बंद हो गया है।

कपड़ा बाजारों में मुहूर्त के सौदों का क्रेज नहीं रहा है। इसलिए थोक कपड़ा बाजार में नये वर्ष पर मुहूर्त सौदे करने की सिर्फ रस्म अदायगी भर रह गई है। अधिकांश व्यापारी मुहूर्त सौदा लाभपंचमी को करते हैं। 31 अक्टूबर से ही बाजार के चलने की उम्मीद है। मुंबई की रेडीमेड गारमेण्ट इकाइयां तो 20 अक्टूबर से ही बंद हो चुकी है और इन इकाईयों के लाभ पंचमी से फिर शुरू होने की उम्मीद हे। इस तरह कपड़ा बाजार और गारमेण्ट इकाइयों में कामकाज लाभपंचम के ही शुरू होने की संभावना है। विंटर के प्रोग्राम करीब-करीब पूरे हो चुके हैं। दिसम्बर अंत तक सूती कपड़ों की मांग शुरू होने की संभावना की जा रही है। कॉटन कपड़ों की तुलना में सिंथेटिक कपड़ों के भाव कम घटे हैं।

यद्यपि सिंथेटिक यार्न के कुछ डेनियर के भाव नीचे उतरे हैं, तथापि सिंथेटिक कपड़ों के भाव में उस अनुपात में गिरावट नहीं आई है। यह भी सच है कि सिंथेटिक कपड़ों की मांग भी बहुत अधिक नहीं है, कारण कि पिछले दो महीने से डिस्पैच मालअभी भी दिसावरी व्यापरियों और ट्रासंपोर्टरों के गोदामों में पड़े हुए हैं। सर्दी की सीजन शुरू हो जाने से उन सभी केंद्रों में सूती मोटे कपड़ों की मांग निकलने की संभावना बढ़ी है, जहां मौसम अधिक सर्द रहता है। गर्म कपड़ों की मांग नवम्बर में अधिक होने की संभावना से इस तरह के कपडों की डिमांड शुरू हो रही है। दूसरी ओर इस बार कॉटन यार्न और सूती कपड़ों के भाव बाजार अनुकूल होने से आगे सूती कपड़ों में कारोबार अच्छा होगा।

गारमेण्ट कपड़ों की मांग नहीं सुधर रही है, जो कपड़ा उत्पादकों के लिए चिंता की बात है। बढ़ती महंगाई और मंदी जैसे कारणों से देसावरों के बाजारों की मांग कमजोर रही है, तो स्थानीय स्तर पर भी कपड़ों की मांग संतोषजनक नहीं रही है। लेकिन दीपावली के पश्चात जब लाभपंचम से गारमेण्ट इकाइयों में फिर से गारमेण्ट का उत्पादन शुरू होगा तब गारमेण्ट कपड़ों की मांग कैसी रहती है, इस बार कपड़ा उत्पादकों की विशेष निगाहें है। कारण साउथ की ग्राहकी कमजोर बनी हुई है। जबकि उत्तर भारत की ओर आगे सर्दी वाले कपड़ों के साथ ऊनी कपड़ों की मांग रहने वाली है। निर्यात में भी कारोबार अभी धीमा है। अमेरिका सहित यूरोप के बाजारों की मांग नहीं बढ़ने से निर्यात ठंडा है। पिछले पांच से छह महीने के दौरान कपड़ों के साथ यार्न के भाव में हुए भारी फेरबदल का भी असर दिखाई दे रहा है।

इस अवधि के दौरान सूती और नीटेड कपडों के भाव में वृद्धि 35 से 40 प्रतिशत तक हुई है। डेनिम के भाव 40 से 50 प्रतिशत तक बढ़े हैं। इनके साथ प्रोसेसिंग चार्ज और पैकेजिंग जैसे कई ऐसे मद है, जिनके भाव बढ़ने के कारण फिनिश कपड़ों की लागत में भारी बढ़ोतरी हो चुकी है। बाजार और ग्राहकों की अपेक्षा से अधिक कपड़ों के भाव बढने मांग कम हो गई। आयातित कपड़ों में दीपावली पर जो मांग रहने की उम्मीद थी, वैसी नहीं रही, आयात घटा है। डॉलर की मजबूती से सप्लायर भाव बढ़ाकर मांग रहे हैं। मांग निकलने पर ही इसमें स्थितियां बदल सकती है। इस बात को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता है कि कोरोना काल में 2020 और 2021 दो वर्षों तक कपड़ों का उत्पादन और व्यापार ठप-सा था। कुछ महीनों से ढेर चीजें बदली है। लेकिन रूई और कॉटन यार्न की तेजी ने देशी लूमों की कमर तोड़ दी है। पावरलूम में जॉब वर्क करने वाले अधिकांश लोग आर्थिक संकट से जूझ रहे हैं। कॉटन यार्न में सट्टेबाजों की मजबूतत पकड़ और कॉटन यार्न के रोज बढ़ते भाव के कारण देशी पावरलूम संकट में है। वहीं शटललेस लूमों पर बने कपड़ों की मांग अच्छी है। जॉब वर्क मजदूरी की दरें बढ़ी है, इसलिए ऐसा माना जा रहा है कि आगामी समय शटललेस लूमों के लिए अच्छा रहेगा। अब ट्रेडिशनल लूमों का आधुनिक में बदलने का समय आ गया है।

सूटिंग में ब्रांडेड और नामचीन मिलों कीं सूटिंग में ग्राहकी है। मीडियम क्वालिटी के माल में उठाव थोडा कम है। लेकिन जैसे-जैसे सीजन जोर पकड़ेगी इसमें मांग बढ़ेगी, क्योंकि मीडियम दर्जे की सूटिंग के लिए एक बड़ा बाजार है, जो महंगे और ब्रांडेड मिलों की सूटिंग नहीं खरीदता है। दीपावली के मौके पर उपहार देने के लिए कम्बो पैक की ही मांग जोरदार रही है, इसमें एक पैंट और एक शर्ट की अच्छी पैकिंग की जाती है। इस बार देश में बने कॉम्बो पैक की मांग सबसे अधिक है। एक तो इस पर छपी एमआरपी अधिक होती है और उसकी तुलना में काफी कम भाव पर माल मिलता है, जिससे मार्जिन भी अच्छी मिलती है। इसमें भी मिलों की कॉम्बो पैक की ही मांग अधिक है।

BHILWARA TEXTILE DIRECTORY

Available
Hard Copy
300 Rs. Including Courier Charge
Soft Copy
750 Rs. Including Courier Charge
For Enquiry 9602430777, 8619337577

FOR TRADE INQUIRIES
PHONE 9461456790|7014169918
EMAIL monalisasyntheticsegmail.com

CHINAR SYNTEX LTD.
13/21, Industrial Area, Bhiwani -127021
Mob.: 92159 29219, E-mail: marketing@chinarfabrics.com
Website: www.chinarfabrics.com

मिलों और निर्यातकों की मांग बढ़ने पर ही रुई में मजबूती संभव ?

TM मुंबई–मिरर ब्यूरो

कपास का उत्पादन अधिक होने और जिनिंग इकाइयों के चालू होने के बाद रूई की उपलब्धता बढ़नी शुरू हो गई है। आगामी दिनों में बाजारों में रूई की आवक बढ़ने का अनुमान व्यक्त किया जा रहा है। जैसे ही नई सीजन में कपास की आवक शुरू हुई रूई के भाव घटने लगे थे, लेकिन कुछ दिनों बाद इसमें आंशिक तेजी आई, लेकिन अब फिर बाजार स्थिर होने के कगार पर है। बाजार सूत्रों का दावा है कि अभी रूई की मांग न तो स्थानीय स्तर पर बढ़ रही है और न ही निर्यात में कारोबार अच्छा हो रहा है, जबकि देशभर में कपास उत्पादन अधिक होने का अनुमान है। ऐसे में जब तक निर्यात मांग नहीं बढ़ती है, तब तक रूई के भाव में अधिक उछाल आने की संभावना नहीं है।

यार्न बनाने वाली मिलें कम लेवाल है। मिलों के पास पुराने भाव की रूई से बना कॉटन यार्न का स्टॉक है, मंदी के दौर में मिलों को कॉटन यार्न का उचित भाव नहीं मिलने के कारण मिलों में अभी तक कॉटन यार्न का उत्पादन व्यवस्थित नहीं हो सका है। इस तरह की रिपोर्ट गुजरात से लेकर साउथ की स्पिनिंग मिलों से आ रही है, जो कॉटन यार्न का उत्पादन सुचारू करने से हिचक रही है। इसके कारण बाजारों में रूई की आवक बढ़ने पर भी रूई में सौदे कम हो रहे है, जिससे कभी कुछ तेजी आती है, तो कभी बाजार गिरकर फिर पुराने स्तर पर पहुंच रहा है। रूई के भाव में इस तरह का ट्रेंड जारी होने से स्पिनिंग मिलों के साथ निर्यातक 'रूको एवं प्रतीक्षा करो' की नीति अपना रहे हैं।

जहां तक कपास उत्पादन का प्रश्न है, स्थितियां स्पष्ट होती जा रही है। पिछले वर्ष किसानों को उनकी उपज का अच्छा भाव मिलने के कारण इस वर्ष कपास की खेती अधिक की गई है इसलिए उत्पादन भी अधिक उतरने का अनुमान है। गुजरात जो कपास का एक प्रमुख उत्पादक राज्य है, वहां पिछले वर्ष की तुलना में इस वर्ष ढ़ाई लाख हेक्टेयर में कपास की अधिक खेती किए जाने की रिपोर्ट है। एक अनुमान के अनुसार पिछले वर्ष में इस राज्य में 22.50 लाख हेक्टेयर में कपास की खेती की गई थी जो इस वर्ष बढ़कर 25.50 लाख हेक्टेयर हो गई है। इसी तरह उत्पादन पिछले वर्ष के 73.64 लाख गांठ के बदले में इस सीजन में 92 लाख गांठ तक होने का अनुमान लगाया जा रहा है।

इसी तरह पूरे देश में कपास की खेती का क्षेत्रफल पिछले वर्ष के मुकाबले में करीब 9 लाख हेक्टेयर अधिक है। अक्टूबर महीने में विश्व कॉटन दिवस मनाया गया। दुनियाभर में कपास बुवाई का कुल क्षेत्रफल 1.05 करोड़ से लेकर 1.22 करोड हेक्टेयर है, जिसमें करीब 37 प्रतिशत हिस्सा भारत का है। वैश्विक स्तर पर कपास उत्पादन में भारत का हिस्सा 22 प्रतिशत है। लेकिन उत्पादकता में भारत पाक से पीछे है। भारत में एक हेक्टेयर में 448 किलो उत्पादकता अनुमान हैं, तो पाकिस्तान में 708 किलो है, अमेरिका में 995 किलो, ऑस्ट्रेलिया में 1920 किलो, चीन में 1879 किलो तथा ब्राजील में 1814 किलो है। आश्चर्य है कि कपास के क्षेत्रफल के हिसाब से भारत में उत्पादकता की दर कम है।

रूई में कारोबार कम है। रूई के भाव काफी नीचे चले गए हैं। वायदा बाजार में तो 65 से 61 हजार रूपये की दर पर कामकाज होने की रिपोर्ट है। पिछले वर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य से अधिक भाव किसानों को मिला था, जिसको ध्यान में रखते हुए इस वर्श देश में कपास का उत्पादन करीब 15 प्रतिशत अधिक हो सकता है। देश में 3 करोड़ 50 लाख गांठ रूई उत्पादन होने की संभावना है, इसमें गुजरात में करीब 92 लाख गांठ हो सकती है। देश में कपास के उत्पादन और उत्पादकता में गुजरात राज्य कई वर्षों से नंबर वन माना जाता रहा है। इतना ही नहीं यहां के किसानों की मुख्य फसल कपास और मूंगफली है। किसान प्रति वर्ष कपास से करीब 70 हजार करोड़ रूपये की आय अर्जित करते हैं।